NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 313 लखनऊ, शनिवार 30 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम आवास योजना शहरी के नौ वर्ष पूरे, लोगों के जीवन में सुगमता–सम्मान को प्रोत्साहन

एजेंसी
नई दिल्ली अब ग्रामीण एवं शहरी अतिरिक्त घरों के निर्माण का निर्णय राष्ट्र की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने, प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर गुणवत्ता वाला जीवन सुनिश्चित करने और वंचितों को पक्के घर देने के प्रति तीसरे कार्यकाल में भी केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी की 9वीं वर्षगांठ पर यह बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण एवं शहरी घर करोड़ों भारतीयों के 'जीवनयापन में सुगमताश और सम्मान को एक प्रोत्साहन है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले कार्यकाल में योजना को दिसंबर, 2024 तक विस्तार दिया था ताकि स्वीकृत मकानों का निर्माण पूरा हो सके और लाभार्थियों को चाबी सौंपी जा सके। अभी तक जो 4 करोड़ से अधिक घर बने हैं उनमें से एक करोड़ से अधिक घर शहरी गरीबों को दिए गए हैं। अब ग्रामीण एवं शहरी अतिरिक्त घरों के निर्माण का निर्णय राष्ट्र की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने, प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर गुणवत्ता वाला जीवन सुनिश्चित करने और वंचितों को पक्के घर देने के प्रति तीसरे कार्यकाल में भी केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पीएमएवाई के तहत निर्मित सभी घरों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं को मिलाते हुए घरेलू शौचालय, एलपीजी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, सक्रिय घरेलू नल कनेक्शन समेत

अन्य बुनियादी सुविधाएं दी जाती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कहा गया कि पात्र परिवारों की संख्या में बढ़ोतरी से पैदा हुई आवास की जरूरतों को यह 3 करोड़ अतिरिक्त मकान पूरा करेंगे जिसके लिए ग्रामीण और शहरी परिवारों को सरकार सहायता देगी। बीते नौ वर्षों में देश में जो मकान लाभार्थियों को दिए गए हैं उनमें लगभग 70 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम है। इसमें जयादातर महिलाएं वो हैं जिनके नाम पर पहली बार कोई प्रपॉर्टी रजिस्टर हुई है। केंद्र सरकार की सभी के लिए आवास योजना में घर पाकर ना सिर्फ लोग सम्मानित महसूस कर रहे हैं बल्कि इससे उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्के मकान के लिए केंद्र सरकार लगातार अपना बजट भी बढ़ा रही है। चालू वित्त विर्ष में जरुरतमंद पात्र लाभार्थियों के लिए अधिक से अधिक पक्के घर बने इसके लिए 2024–25 के बजट में 80 हजार 671 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। यह घर ऐसे परिवारों को मिल रहे हैं, जिनके पास अपना पक्का घर नहीं था। आधुनिक तकनीक वाले लाइट हाउस बनाए जा रहे हैं, जिसमें करीब 16 लाख मकान बन रहे है। पीएम आवास योजना ग्रामीण में मिलती हैं ये सहायता प्रधानमंत्री आवास योजना में केंद्र सरकार जो सहायता देती है, उसकी प्रक्रिया और राशि निर्धारित है। पीएमएवाई जी में मैदानी क्षेत्र के लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपये और पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यो, कठिन क्षेत्रों और एकीकृत कार्य योजना जिलों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, या वित्त पोषण के किसी अन्य समप्रित स्त्रोत के साथ मिलकर शौचालय के निर्माण के लिए 12,000ध– रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाती है। पीएमएवाई जी परिवारों को अन्य प्रासंगिक योजनाओं के साथ पानी, एलपीजी, और बिजली कनेक्शन दिए जाते है।योजनाओं के सलैचुरेशन का प्रयास जीवन की मूलभूत जरुरतों के लिए भी वर्षों तक पुरानी व्यवस्था में लोग तरसते रहे। झुग्गी–झोपड़ी में जन्म लिया और आने वाली मेरी पीढ़ी भी झोपड़ी में रहेगी इस सोच से देश बाहर निकल रहा है। वर्तमान सरकार पिछले 10 वर्षों से योजनाओं के सैचुरेशन का जो प्रयास कर रही है, उसमें पीएम आवास योजना बड़ा पहलू है। धर्म जाति, प्रांत से ऊपर उठकर सभी पात्र लाभार्थी को आवास दिए जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि जब गरीब के जीवन की मूल आवश्यकताओं की चिंता कम होती है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। किराए के मकान की व्यवस्था भी कर रही है सरकारकेंद्र सरकार जिनके पास अपना घर नहीं है, उन्हें सही किराए पर अच्छा घर मिले इसकी चिंता भी कर रही है। सरकार ने शहरी प्रवासियों, मजदूरों और दूसरे काम करने वालों को किराए के घर के लिए विशेष योजना बनाई है। इसके लिए अनेक शहरों में विशेष कॉम्प्लेक्स भी बनाए जा रहे है। किफायती किराए के आवास परिसर (एआरएचसी) की शुरुआत केंद्र सरकार ने की है।

इसके एक मॉडल के तहत तमिलनाडु में 18,112 यूनिट समेत कुल 48,113 यूनिट का निर्माण हो रहा है। इस योजना में प्रवासियों को उनके कार्यस्थल के नजदीक किफायती दर से किराए का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के पहले मॉडल में चंडीगढ़, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर में मौजूदा सरकारी वित्त पोषित 5648 आवास शहरी गरीब और प्रवासी के लिए एआरएचसी में परिवर्तित कर दिया गया है। साथ ही 7 हजार से अधिक खाली घरों को भी एआरएचसी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है।

झारखंड और आदिवासियों का विकास भाजपा की प्राथमिकता –हिमंत विश्व शर्मा

एजेंसी।
रांची। भाजपा के चुनाव सह प्रभारी शर्मा राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए पार्टी नेताओं से मिलेंगे। उन्होंने कहा, ''पार्टी की प्राथमिकता झारखंड का विकास और यहां के अनुसूचित जनजाति समुदाय का कल्याण है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की बैठक में भाग लेने रांची पहुंचे।

उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास और आदिवासी लोगों का कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। भाजपा के चुनाव सह प्रभारी शर्मा राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए पार्टी नेताओं से मिलेंगे। उन्होंने कहा, ''पार्टी की प्राथमिकता झारखंड का विकास और यहां के अनुसूचित जनजाति समुदाय का कल्याण है। पिछले पांच वर्षों से राज्य में कोई सरकार नहीं है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में महिलाओं और आदिवासियों पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए हैं।'' शर्मा ने कहा कि जब भाजपा का घोषणापत्र आएगा, तो पता चलेगा कि पार्टी ने अगले पांच साल में आदिवासी लोगों के लिए कितना काम करने की योजना बनाई है। पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन को जमानत मिलने के बारे में पूछे जाने पर शर्मा कहा, ''भाजपा इस बात का हिसाब नहीं रखती कि कौन जेल जा रहा है और कौन जमानत पर बाहर आ रहा है।'' आगामी चुनाव में सोरेन की मौजूदगी से भाजपा पर क्या असर पड़ेगा, इस बारे में पूछे गए सवाल पर शर्मा ने कहा कि जब वह जेल में थे तब भाजपा ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राज्य में नौ सीट जीतीं। शर्मा ने कहा कि सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद भाजपा और अधिक सीट जीतेगी। उच्च न्यायालय द्वारा धनशोधन के एक मामले में जमानत दिए जाने के बाद सोरेन को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया। न्यायालय ने कहा कि सोरेन प्रथम दृष्टया दोषी नहीं हैं और जमानत पर छूटने के बाद याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई संभावना नहीं है। झारखंड की 81 विधानसभा सीट में से 28 सीट अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए आरक्षित हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 26 आदिवासी सीटों पर जीत हासिल की थी। शर्मा और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए खाका तैयार करने को लेकर 23 जून को पार्टी नेताओं, सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें कीं। चौहान को झारखंड के लिए भाजपा का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मनी लान्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई, माकपा की भूमि बैंक में पड़े 73 लाख जब्त किए

एजेंसी।
नई दिल्ली ईडी ने कहा कि उसका मानना है कि कुर्क किया गया भूमि पार्सल सीपीआई (एम) पार्टी कार्यालय के लिए था और इसे करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक द्वारा स्वीकृत ऋणों के ऋणदाताओं या लाभार्थियों से कथित रिश्वत का उपयोग करके खरीदा गया था। केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के लिए मुसीबतें बढ़ाने वाले एक कदम में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत पार्टी से संबंधित 73 लाख रुपये के भूमि पार्सल और बैंक जमा पर हमला किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक श्घोटालाश। उन्होंने कहा कि केरल के त्रिशूर जिले में 10 लाख रुपये की जमीन और पार्टी के पांच अघोषित बैंक खातों में रखी 63 लाख रुपये की बैंक जमा राशि जब्त करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। ईडी ने कहा कि उसका मानना है कि कुर्क किया गया भूमि पार्सल सीपीआई (एम) पार्टी कार्यालय के लिए था और इसे करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक द्वारा स्वीकृत ऋणों के ऋणदाताओं या लाभार्थियों से कथित रिश्वत का उपयोग करके खरीदा गया था। यह मामले के अंतिम दो आरोपियों के इकबालिया बयान पर निर्भर था, जिन्होंने दावा किया था कि बैंक में कथित अनियमितताएं सीपीआई (एम) त्रिशूर जिला समिति के नेताओं के इशारे पर की गई थीं। पार्टी ने कथित करोड़ों रुपये के करुवन्नूर प्रतिबंध घोटाले से जुड़े मामले में उसे दोषी ठहराने के केंद्रीय एजेंसी के किसी भी कदम से कानूनी और राजनीतिक रूप से लड़ने का वादा किया।

अजेय भारत, विराट जीत, हार्दिक बधाई –17 साल बाद टी–20 वर्ल्ड कप जीता

आज टी20 विश्व कप 2024 का खिताबी मुकाबला भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया। भारत ने अजेय रहते हुए चौंपियनशिप जीती है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम

169 रन ही बना सकी।

विराट कोहली ने मैच के बाद कह दिया है कि यह उनका आखिरी टी20 विश्व कप है। उन्होंने कहा– यह मेरा आखिरी टी20 वर्ल्ड कप था, हम यही हासिल करना चाहते थे। एक दिन आपको ऐसा महसूस होता है कि आप दौड़ नहीं सकते और ऐसा होता है, ऊपर वाला महान है। अभी नहीं तो कभी नहीं जैसी स्थिति थी। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा आखिरी टी20 मैच था। हम उस कप को उठाना चाहते थे। ऐसा कुछ नहीं जिसकी मैं घोषणा नहीं करने वाला था, भले ही हम हार गए हों। अगली पीढ़ी के लिए टी20 खेल को आगे ले जाने का समय। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का इंतजार करते हुए हमारे लिए यह एक लंबा इंतजार रहा है। आप रोहित जैसे खिलाड़ी को देखें, उसने 9 टी20 विश्व कप खेले हैं और यह मेरा छठा विश्व कप है। वह इसके लायक है। भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने इससे पहले 2013 में चौंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप जीता है। 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता है। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था।

17वें ओवर में भारत ने मैच पलटा। 16 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 151 रन बना लिए थे। तब मिलर और क्लासेन क्रीज पर थे। आखिरी 24 गेंद में दक्षिण अफ्रीका को 26 रन चाहिए थे। इसके बाद 17वें ओवर में हार्दिक ने क्लासेन को आउट किया और मात्र चार रन दिए। 18वें ओवर में बुमराह ने यानसेन को आउट किया और दो रन दिए। 19वें ओवर में अर्शदीप ने चार रन दिए। आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन चाहिए थे। हार्दिक ने पहली ही गेंद पर मिलर को आउट किया। दूसरी गेंद पर रबाडा ने चार रन बटोरे। तीसरी गेंद पर रबाडा ने एक रन लिया। चौथी गेंद पर महाराज ने एक रन लिया। इसकी अगली गेंद वाइड रही। पांचवीं गेंद पर हार्दिक ने रबाडा को आउट किया। आखिरी गेंद पर एक रन आया और भारत ने सात रन से जीत हासिल की।

भाजपा को वोट न देने वाले वर्गों की माब लिंचिंग में भाजपाई कर रहे हत्या- शाहनवाज आलम

लखनऊ(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में सहारनपुर व शामली निवासी युवकों के साथ मॉब लिंचिंग की घटना के विरोध में आज अल्पसंख्यक कांग्रेस ने जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर कार्यवाई की मांग की है. अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि जब से भाजपा के पक्ष में लोकसभा चुनाव परिणाम आए हैं तभी से भाजपा और एनडीए को वोट न करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की हत्यायें की जा रही हैं और उनके साथ हिंसा की घटनाएं बढ़ गयी हैं. ये हत्याएं विशुद्ध तौर पर विरोधी मतदाताओं की राजनैतिक हत्यायें हैं जिनमें भाजपा और आरएसएस से जुड़े अपराधी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि 7 जून को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर और महासमुंद सीमा पर सहारनपुर निवासी सद्दाम कुरैशी (23), उसके चचेरे भाई गुड्डू खान (35) और चांद मिया खान (23) मवेशी लेकर जा रहे थे. जिन्हें भाजपा से जुड़े अपराधियों ने महानदी नदी के पुल पर रोक कर हमला कर दिया और मरा समझकर फेंक दिया. पुलिस को तीनों पुल के नीचे पड़े मिले थे. दो की उसी दिन मौत हो गई जबकि जीवित बचे एकमात्र चश्मदीद सद्दाम ने 18 जून को दम तोड़ दिया. इन तीनों युवकों के हत्यारे आजाद घूम रहे हैं क्योंकि उन्हें सरकारी संरक्षण प्राप्त है.

राजकीय आईटीआई अलीगंज में अप्रेंटिसध्रोजगार मेले का आयोजन

लखनऊ(आरएनएस) । राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ में शनिवार को अप्रेंटिसध्रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कंपनी पेप्सिको इंडिया होल्डिंग प्रा. लि., मथुरा और श्री राम लाइफ इंश्योरेंस, लखनऊ ने भाग लिया। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मेले में कुल 215 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग काउंसिलिंग और प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खाँ ने जानकारी दी कि इनमें से 117 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। चयनित अभ्यर्थियों को रुपये 13,000 से 25,000 प्रतिमाह के वेतन और अन्य सुविधाओं के साथ नियमित नौकरी के ऑफर दिए गए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने किया "टेम्पल ट्रेजर्स ''ए जर्नी टाइम" पुस्तक का विमोचन

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने शनिवार को अपने लखनऊ स्थित मंत्री आवास पर "टेम्पल ट्रेजर्स रू ए जर्नी थ्रू टाइम" नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने पुस्तक के लेखक अमित अग्रवाल को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक देश के प्राचीन मंदिरों और उनके ऐतिहासिक खजानों के बारे में गहरी जानकारी प्रदान करेगी। मंत्री ने कहा कि यह पुस्तक न केवल प्राचीन भारतीय संस्कृति और धरोहर को जानने का माध्यम बनेगी, बल्कि नई पीढ़ी को हमारे समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि 'टेम्पल ट्रेजर्स: ए जर्नी थ्रू टाइम' शोधकर्ताओं, इतिहासकारों और मंदिर प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगी।पुस्तक विमोचन के अवसर पर रमेश चंद्र अग्रवाल और डॉ. मुकुल चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

यूपीनेडा ने सूर्यमित्रों के लिए सोलर पी०वी० इन्सटालर प्रशिक्षण कार्यकम एवं रोजगार मेला का किया आयोजन

लखनऊ(आरएनएस) रूउत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के चिनहट, लखनऊ स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में उ०प्र० सौर ऊर्जा नीति–2022 के अन्तर्गत सोलर पी०वी० इन्सटालर प्रशिक्षण कार्यकम में प्रशिक्षित सूर्यमित्र प्रशिक्षणार्थियों हेतु बृहद स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य कर रहीं प्रतिष्ठित फर्मों में से 13 फर्मों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस रोजगार मेले में सोलर पी०वी० इन्सटालर प्रशिक्षण में प्रशिक्षित 60 सूर्यमित्रो द्वारा रोजगार प्राप्त किये जाने हेतु प्रतिभाग किया। इस रोजगार मेले का शुभारम्भ यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला द्वारा करते हुए सभी आंमत्रित फर्मों के प्रतिनिधियों एवं सूर्यमित्रो को उनके उज्जवल भविष्य के लिये अपनी शुभकामनाए प्रदान की गयी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के सचिव एवं मुख्य परियोजना अधिकारी श्री पंकज सिंह एवं प्रशिक्षण केन्द्र के प्रभारी संजय तथा टीका राम, परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे एवं उनके द्वारा विभिन्न फर्मों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के लिये अधिक से अधिक सूर्यमित्रों को रोजगार प्रदान किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

8 जुलाई को क्या होगा ?

24 लाख नीट परीक्षार्थियों को बेचैन कर देने वाला सबसे बड़ा सवाल

लेखक – शील शुक्ला

नईदिल्ली । 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले मे अगली सुनवाई है। केस हैंडओवर

होने के बाद सीबीआई अपनी जाँच को पूरी गंभीरता से कर रही है। सभी राज्यों की पुलिस जिसमें बिहार झारखंड ,राजस्थान यूपी, गुजरात , हरियाणा, महाराष्ट्र, और ईओयू इकोनॉमिक ओफ्फेंस यूनिट की शानदार बेस वर्किंग का ही रिजल्ट है की आज सीबीआई ने पेपर लीक कांड करने वाले इंटरस्टेट गैंग को एक्सपोज कर दिया है।इनसे जुड़े शातिर अपराधियों संजीव मुखिया , सिकंदर यादवेन्दु , अमित , नितीश , अतुल , अंशुल , चिंटू , पिंटू, अनुराग यादव, हुक्म राम आदि को पकड़ा गया और पूँछ ताँछ की गई। सेफ हाउस तलाश करके स्टूडेंट्स को नीट एग्जाम के पूरे क्वेश्चन एन्सर्स रटवाये गये और वही 100 परसेंट क्वेशंस एग्जाम में मैच भी कर गए। एग्जाम सेंटर पर खुले आम आउट हुए पेपर को सोल्व करते हुए एग्जाम सेंटर के ऑथोराइटीज अरेस्ट किए गए। नीट एग्जाम से पहले क्वेश्चन पेपर्स की पैकेजिंग के साथ छेड़ छाड़ की घटना की पुष्टि की गई, आउट हुए पेपर की जली हुई प्रतियाँ मिली। कई सोल्वर गैंग्स पकड़े गये। इन सोल्वर गैंग्स के अपराधियों का स्टिंग ऑपरेशन तक कई बड़े न्यूज चौनल्स पर दिखाया गया, जिसमें ये साफ साफ पेपर आउट होने के तरीकों को विस्तार से बता रहे हैं। इस साल स्टूडेंट्स को टाइम लॉस के बहाने 100–100, 150, 200 नंबर तक एक्स्ट्रा मार्क्स दिये गये जिसको ग्रेस मार्क्स का नाम दिया गया, ग्रेस मार्क्स कैंसल हो गये, 23 जून को दोबारा एग्जाम भी हो गया, लेकिन अभी तक एन टी ए ने ये अपना वो डेटा डिस्क्लोज नहीं किया कि किस फार्मूले पर ग्रेस मार्क्स दिये गये, ये एक्स्ट्रा मार्क्स पैसे लेकर दिये गये या टाइम लॉस के बेस पर ३एन टी ए के पास इसका कोई ऐसा जवाब नहीं है जिस पर यकधीन कर लिया जाए।

सरकार का टाल मटोल साफ साफ दिख रहा है, इतने सबूतों के बावजूद ये सरकार नीट परीक्षा कैंसल करने के बजाय रोते बिलखते पैरेंट्स, हाँथ में किताबों की जगह री नीट का स्लोगन लिये जलती दोपहर के समय सडको पर लड़ रहे छात्रों को – एक्स इसरो चेयरमैन डॉ के राधाकृष्णन की रिप्रेजेंटेशन में हाई लेवल रिव्यू कमेटी का झुनझुना पकड़ा दिया गया है। कम से कम इस समय जब री नीट सबसे बड़ा मुद्दा हो तो ये रिव्यू कमेटी क्या करेगी? सरकार अब इस देश में एक माहोल ऐसा तैयार करना चाहती है जिससे देश में ये संदेश जाए कि अगर री नीट हो गया तो कुछ अच्छे स्टूडेंट्स के साथ गलत हो जाएगा जो ईमानदारी से अच्छा स्कोर किए हैं।

सरकार का ये तर्क एक मजाकध से ज्यादा कुछ नहीं है। री नीट हुआ तो सबसे पहले बेईमान छात्र सबसे पहले छँट जाएँगे, फिर जिस छात्र ने पढ़ाई की है , मेहनत किया है , जिसको जानकारी है उसके लिये क्या ? उसका चाहे एक बार एग्जाम ले या दस बार– जानकार है, पढ़ाई किया है तो हर बार अच्छा ही नंबर लाएगा।और अब तो सबसे बड़ा आश्चर्यजनक रहस्य यही बन गया है 1563 स्टूडेंट्स में से 750 स्टूडेंट्स तो परीक्षा देने के लिए तो एग्जाम सेंटर तक नहीं पहुँचे, चंडीगढ़ एग्जाम सेंटर्स का ये हाल हो गया कि एक भी स्टूडेंट वहाँ प्रेजेंट नहीं था३ पूरा एग्जाम सेंटर परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स का इंतजार करता रह गया लेकिन कोई स्टूडेंट एग्जाम देने के लिए नहीं पहुँचा। ऐसा क्यों हुआ ? पूरी उम्मीद है जल्दी ही इस रहस्य का भी खुलासा हो जाएगा।अब तो 24 लाख नीट परीक्षार्थियों को बेचौन कर देने वाला सबसे बड़ा सवाल ये है – कि– 8 जुलाई को ईमानदारी से मेहनत करने वाले स्टूडेंट्स को जस्टिस मिलेगा या पैसे के बल पर नीट एग्जाम में मेहनती, ईमानदार, गरीब छात्रों का हकध छीन कर, ये बेईमान छात्र मेडिकल कॉलेज की सीट पर कब्जा कर लेंगे? पल पल बदलते घटनाक्रम और इससे जुड़े ताजा समाचारों को जानने के साथ ही नीट काउन्सलिंग के थ्रू कैसे आप अपने मनपसंद कॉलेज और कोर्स में एडमिशन ले सकेंगे, इस गाइडेंस के लिये आप नीट बुलेटिन की हेल्पलाइन नंबर 8800265682 पर कभी भी कॉल करके एक्सपर्ट्स से बात करके सकते है। इससे जुडी हर जानकारी यूट्यूब पर नीट बुलेटिन पर भी आप को मिल जाएगी। और अधिक जानकारी के लिए आप एक्स, इंस्टाग्राम , फेसबुक पर नीट बुलेटिन के पेज को भी फॉलो कर सकते हैं साथ ही आप चैनल विजडम इंडिया न्यूज को सब्सक्राइब भी कर सकते है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 30 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप का हल्ला बोल'

लखनऊ(आरएनएस)..आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फर्जी गिरफ्तारी जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया । प्रदर्शन के लिए कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय से 1090 चौराहे की ओर बढ़े लेकिन भारी संख्या में मौजूद पुलिस फोर्स ने बैरिकेटिंग लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया और आप नेताओं को गिरफ्तार कर लिया. इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हुई . निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल ने कहा कि 20 जून को अरविंद केजरीवाल को बेल मिली. तुरंत ईडी ने स्टे लगवा लिया. फिर सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया. पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि केजरीवाल जेल से बाहर ना आ जाये. ये कानून नहीं है. ये तानाशाही है, इमरजेंसी है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ न कोई सबूत है, न ही कोई मनी ट्रेल मिला है और न ही कोई पैसा अभी तक बरामद हुआ है, लेकिन फिर भी जानबूझकर उन्हें अभी तक सलाखों के पीछे रखा गया है. ताकि आम आदमी पार्टी को पूरी तरीके से खत्म किया जा सके. यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने सीबीआई से उन्हें गिरफ्तार करा लिया। भाजपा, आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है इसीलिए केजरीवाल पर फर्जी मुकदमें लगाकर फंसाने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी का एक एक कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के साथ है और तानाशाह सरकार के खिलाफ मजूबती से संघर्ष करता रहेगा । छात्र विंग के प्रदेश अध्यक्ष वंशराज दुबे ने कहा कि मोदी सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सभी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। सीबीआई ने पिछले दो सालों तक सीएम केजरीवाल को तथाकथित शराब मामले में आरोपी नहीं बनाया था। लेकिन जब भाजपा को लगा कि अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने वाली है, तो इन्होंने सीबीआई को आगे कर दिया। प्रदर्शन में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बीएन खरे, अवध प्रांत अध्यक्ष अनिल राजवंशी, अतुल सिंह,यूथ विंग प्रदेश महासचिव अंकित परिहार, इरम रिजवी, नूर सिद्दकी, पंकज यादव,ललित वाल्मीकि, जॉनी,रितेश सिंह,चरण प्रीत सिंह, रेखा जायसवाल, इस्मा जहीर, घ्जसमीत कौर, प्रियंका श्रीवास्तव,रानी कुमारी सच्चिदानंद त्रिपाठी, उषा त्रिपाठी,नीरज,प्रितपाल सिंह, मोनू गुप्ता, ध्यर्मेंद्र सिंह घ्हर्षित मिश्र मुशीर सिद्दीकी हिद,संजीव निगम कृष्ण कुमार सिंह चकित भगवान सिंह यादव, हसीन मंसूरी असलम मंसूरी सय्यद वासीमुद्दीन राहुल

मेहरोत्रा संजय कुमार,निशा निगम ,रमा अवस्थी,सौरभ गुप्ता,शोएब खान, अनीत रावत, अंशुल यादव अभिषेक कश्यप, अभिषेक यादव, आकाश वर्मा, मिथलेश भारती, अनीता यादव, उषा दोहरे, उषा देवी, प्रियंका वर्मा, विद्या वर्मा,नीतू कनौजिया, स्वाति चौरसिया, अंजनी कुशवाह,प्रियंका सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे

एथर एनर्जी का पहला फैमिली स्कूटर, रिज़्टा लखनऊ में उपलब्ध हुआ

रिज़्टा परिवारों के लिए डिजाईन किया गया मेड इन इंडिया इलेक्ट्रिक स्कूटर है

लखनऊ, (आरएनएस) – भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी ने आज लखनऊ में अपने 'मीट रिज़्टा' समारोह का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के इच्छुकों के सामने एथर के नए फैमिली स्कूटर, रिज़्टा और इनोवेटिव हैलो हेलमेट का प्रदर्शन किया गया। आगंतुकों को यहाँ रिज़्टा चलाकर देखने और एथर के एक्सपीरियंस जोन का अनुभव लेने का अवसर मिला, जो ब्रांड की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और डिजाईन फिलॉसफी की गहरी समझ प्रदान करने के लिए डिजाईन किए गए हैं। इस अवसर पर श्री रवनीत सिंह फोकेला, चीफ बिजनेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा, "लखनऊ में ग्राहक विशेष रूप से फैमिली सेगमेंट में स्कूटर पसंद करते हैं। इसलिए रिज़्टा के साथ हम परिवार के लिए अनुकूल स्कूटर की तलाश करने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं। इसमें लंबी और आरामदायक सीट, विशाल स्टोरेज स्पेस, अनेक सुरक्षा विशेषताएं, और राइडिंग का बेहतरीन अनुभव मिलता है। इसलिए रिज़्टा परिवारों के लिए एक उत्तम विकल्प है। रिज़्टा में वही गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सुरक्षा मानक हैं, जिनके लिए एथर मशहूर है। हम लखनऊ में रिज़्टा पेश करने के लिए उत्साहित हैं, हमें उम्मीद है कि यहाँ हमारे इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी।" एथर एनर्जी ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर 2018 में लॉन्च किया था। पिछले सालों में एथर 450 प्लेटफॉर्म पर अपने परफॉर्मेंस स्कूटरों, 450ग और 450ऊ के लिए मशहूर रहा है। हाल ही में लॉन्च किए गए रिज़्टा के साथ एथर ने इलेक्ट्रिक स्कूटर के पारिवारिक सेगमेंट में प्रवेश कर लिया है। कंपनी के पास उत्तर प्रदेश में 9 एक्सपीरियंस सेंटर (म्ब) और भारत में 200 से ज्यादा एक्सपीरियंस सेंटर (म्ब) हैं। साथ ही, एथर के पास भारत में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक टू–व्हीलर फास्ट चार्जिंग नेटवर्क्स में से एक है। उत्तर प्रदेश में 80 से ज्यादा फास्ट चार्जिंग स्टेशन, एथर ग्रिड और भारत में 2000 से ज्यादा एथर ग्रिड स्थापित हो चुकी हैं। रिज़्टा दो मॉडलों और तीन वैरिएंट्स में उपलब्ध है। रिज़्टा और रिज़्टा में 2.9ी की बैटरी और टॉप–एंड मॉडल रिज़्टा में 3.7ी की बैटरी है। 2.9ी वैरिएंट से 123 किलोमीटर की अनुमानित आईडीसी रेंज और 3.7ी वैरिएंट से 159 किलोमीटर की रेंज मिलती है। रिज़्टा तीन मोनोटोन कलर्स में और रिज़्टा सात कलर्स में उपलब्ध है, जिनमें तीन मोनोटोन और चार ड्युअल–टोन विकल्प शामिल हैं। रिज़्टा परिवारों के लिए डिजाईन और इंजीनियर किया गया है, जिसमें कम्फर्ट, सुविधा और सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। रिज़्टा की सीट बाजार में उपलब्ध सबसे बड़ी और सबसे आरामदायक सीटों में से एक है। इसमें 56 लीटर का विशाल स्टोरेज मिलता है, जिसमें 34 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज और 22 लीटर की वैकल्पिक फ्रंक एक्सेसरी है। इसके बड़े फ्लोरबोर्ड से राईडर को पर्याप्त लैग स्पेस मिलता है। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रिज़्टा में एथर ने स्किडकंट्रोलन्ब्द फीचर पेश किया है। यह एथर का एक प्रोप्राइटरी ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम है, जो कम फ्रिक्शन वाली सतहों जैसे रेत, बजरी, पानी या तेल वाली सतहों पर एक्सलेरेशन देने पर फिसलने से बचाने लिए मोटर टॉर्क को सुगमता से कंट्रोल करता है। रिज़्टा की अन्य सुरक्षा विशेषताओं में फॉलसेफज्ड, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल (ै), थेफ्ट एवं टो डिटेक्ट, और पिंग माई स्कूटर शामिल हैं।

ये तीनों वैरिएंट दो राइडिंग मोड्स – जिप और स्मार्टईको के साथ 80 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड से चल सकते हैं। साथ ही, 450 सीरीज में दिए गए मैजिकट्विस्टन्ब्द, ऑटोहोल्डन्ब्द और रिवर्स मोड जैसी राइड असिस्ट फीचर्स रिज़्टा में भी दिए गए हैं। मैजिक ट्विस्ट फीचर द्वारा यूजर्स थ्रॉटल से स्पीड कंट्रोल कर सकते हैं। सीधी दिशा में थ्रॉटल घूमने पर स्पीड बढ़ती है और उल्टी दिशा में घुमाने पर ब्रेक लगता है। जब यह इलेक्ट्रिक स्कूटर ढलान पर ले जाया जाता है, तब ऑटोहोल्ड फीचर इसको थामकर रखता है, और रिवर्स मोड द्वारा स्कूटर को आसानी से रिवर्स किया जा सकता है और इसे पीछे की ओर खींचने की जरूरत नहीं पड़ती।

भामाशाह का पूरा जीवन त्याग और सत्यनिष्ठा का उदाहरण –अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस) ।यहां आज वीर बलिदानी महान राष्ट्रभक्त व्यापारियों के मसीहा महाराज भामाशाह की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। अखिलेश यादव ने कहा है कि भामाशाह का पूरा जीवन त्याग और सत्यनिष्ठा का उदाहरण है। उनका मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम था। उन्होंने मेवाड़ की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप को अपनी सम्पूर्ण धन सम्पदा अर्पित कर दी थी। इस धनराशि से महाराणा प्रताप ने नया सैन्य बल गठित कर मेवाड़ की रक्षा की। मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम और दानवीरता के लिए भामाशाह का नाम इतिहास में अमर है। उनके जीवन से निष्ठा, समर्पण और त्याग की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वैश्य व व्यापारी समाज का उत्पीड़न हो रहा है। आज वैश्य व व्यापारी समाज भाजपा शासन में सबसे ज़्यादा पीड़ित है। जीएसटी से बड़े पैमाने पर व्यापार का नुकसान हुआ है। व्यापारी व वैश्य समाज भी अब ये मानता है कि व्यापारी और वैश्य समाज का सम्मान केवल सपा सरकार में ही सम्भव है।अखिलेश यादव ने आश्वासन दिया कि सपा सरकार बनने पर व्यापारी व वैश्य समाज को उनका खोया हुआ सम्मान मिलेगा। उन्होंने लोकसभा में जीत के लिए बधाई दी और कहा कि हमें भाजपा की साजिशों में नहीं फंसना है। 2027 विधानसभा चुनाव की लड़ाई बड़ी है। इसमें नहीं चूकना है।इस अवसर पर शिवपाल यादव, बलराम यादव, राजेन्द्र चौधरी, श्याम लाल पाल, लाल बिहारी यादव, आर.के. वर्मा, उदयवीर सिंह, मौलाना नजर मोहम्मद, डॉ0 राजपाल कश्यप, कृष्ण कन्हैया पाल एडवोकेट, सरदार हरदीप सिंह लाखड़ा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रवक्ताअभिमन्यु गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय सूद, प्रदेश उपाध्यक्ष वोट सिंह यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय जायसवाल, अंशुल गुप्ता, श्यामकृष्ण गुप्ता, हरदीप सिंह राखड़ा, राम बाबू रस्तोगी, बृजेश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सुजीत जायसवाल, ऋषि राज अग्रवाल, संजय यादव, दीपू श्रीवास्तव, प्रीयतेश सिंह तोमर, रवि गुप्ता, साहिल खान, मो साकिफ, कमलेश गुप्ता, पवन यादव, अंकित गुप्ता आदि ने भी अखिलेश यादव के साथ ही भामाशाह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

नगरीय निकायों के सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति रहें सतर्क

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्रीए0के0 शर्मा ने निकायों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कार्यों के प्रति सतर्क करते हुए कहा है कि प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। सभी निकाय कार्मिकों के लिए यह समय परीक्षा की घड़ी का है, इसके लिए पूरी तत्परता और लगन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। बरसात में शहरों में कहीं पर भी जलभराव और गंदगी न होने पाये, नालेध्नालियों की सफाई के साथ ही दैनिक सफाई पर भी सभी मुस्तैदी से कार्य करेंगे। कहीं पर भी नालेध्नालियां चोक न होने पायें। सफाई के दौरान नाले–नालियों से निकली सिल्ट एवं कचरे को सीघ्र हटाया जाए। नियमित रूप से सभी अधिकारी सफाई कार्यों की मॉनीटरिंग करें। जलभराव और गंदगी वाले स्थानों पर संचारी रोगों और मच्छरजनित बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया आदि फैलने की संभावना न बने, सभी निकाय इसके लिए आवश्यक दवाओं, एण्टी लार्वा, चूना और फॉगिंग आदि की व्यवस्था कर लें, जहां पर भी आवश्यक हो शीघ्र ही उपयोग में लाया जाए।नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि बरसात में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालेध्नालियों की सफाई नियमित रूप से करायी जाए। नालेध्नालियों के चोक प्वाइंट की लगातार निगरानी की जाए। साथ ही लोगों को नालेध्नालियों में कूड़ा–कचरा आदि न डालने के लिए भी जागरूक किया जाए। उन्होंने ने भी नागरिकों से अपील की है कि शहर को साफ–सुथरा रखने में सहयोग प्रदान करें। कूड़ा–कचरा, पॉलीथीन आदि नाले–नालियों में न फेंके, जिससे पानी के बहाव में अवरोध पैदा हो। उन्होंने निकाय क्षेत्रों के अंतर्गत खाली प्लाटों में होने वाले जलभराव, गंदगी और कूड़ा भरा होने की स्थितियों का भी गम्भीरता से संज्ञान लेने को कहा। ऐसे प्लाट के मालिकों से सम्पर्क कर समस्या का समाधान करने, जिससे वहां पर गंदगी और जलभराव से संचारी रोगों के फैलने की सम्भावना न बने।

नगर विकास मंत्री ने जलभराव से निपटने के लिए बाढ़ पम्पिंग स्टेशनों और सीवर पंम्पिंग स्टेशनों के चालू हालात में रखने को कहा, जिससे कि बारिश के पानी को जल्द से जल्द निकाला जा सके और सड़कों, गलियों व लोगों के घरों में गंदा पानी न भरे और चारों तरफ गंदगी न फैले। उन्होंने सीवर लाइनों के बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढे व नालियों को भी कार्य पूरा होने पर सीघ्र ही भरने को कहा, जिससे कि बरसात में लोगों को आने–जाने में परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सफाई के लिए नालों के ऊपर से हटाये गये स्लैब को फिर से उसी प्रकार नाले के ऊपर रखकर ढकने का भी कार्य करें, जिससे खुले नाले से किसी भी प्रकार की दुर्घटना न होने पाये। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटों के व्यवस्थापन पर भी ध्यान दें। बरसात में सड़कों व गलियों में अंधेरा रहने से लोगों को आने–जाने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री की पर्यटन से जुड़ी कल्पनाओं को धरातल पर उतार रहा उत्तर प्रदेश – गजेंद्र सिंह शेखावत

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह का आह्वान- 'एशिया-यूरोप के पर्यटक एक बार अवश्य करें बौद्ध स्थल का दर्शन

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से 'बोधि यात्रा' का आयोजन कल 28 जून, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के होटल अशोक में हुआ। शाम को शुरू कार्यक्रम देर रात में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति केंद्रीय पर्यटन मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह शेखावत, उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की रही। कार्यक्रम में मुख्य सचिव, उप्र., प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम, विभिन्न देशों के राजदूत, उच्चायुक्त एवं उच्चायोग के अधिकारियों के साथ–साथ कई विभागों के सचिव और मुख्य सचिव की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रतिष्ठित ट्रैवल राइटर, ब्लॉगर, टूर एंड ट्रैवल प्रतिनिधियों के साथ–साथ भारतीय व अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के प्रतिनिधि आयोजन का हिस्सा बने। विभिन्न देशों के राजदूतों ने कहाकृयूपी में भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े स्थलों की प्रस्तुति देखकर अभिभूत हूं।कार्यक्रम की शुरुआत के साथ अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्वागत संबोधन के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश पर्यटन ईशा प्रिया ने एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से उत्तर प्रदेश में बौद्ध विरासत स्थलों, पर्यटन आकर्षण, पारंपरिक कला व शिल्प और संस्कृति एवं पर्यटन क्षेत्र में एफ. डी.आई. को बढ़ावा देने के लिए निवेश के अवसर तथा उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति–2022 के लाभों और सब्सिडी के विवरण' विषय पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। संवाद सत्र में पर्यटन के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश में बौद्ध विरासत स्थलों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के प्रयासों पर सार्थक चर्चा हुई।केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत में अपने संबोधन में बोधि यात्रा आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का आभार जताया। उन्होंने कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री जी ने अक्सर अपने भाषणों में कहा है कि, 'भारत युद्ध की नहीं, बुद्ध की भूमि है'। इसी पवित्र भूमि ने समूची दुनिया को सत्य, अहिंसा, दया और करुणा का संदेश दिया।' केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि, भारत विविधताओं वाला देश है। यहां पर्यटन की सभी अपेक्षाओं को पूरा करने की क्षमता भारत में है। प्रधानमंत्री जी ने देश में विभिन्न टूरिस्ट सर्किट बनाने की कल्पना की थी। उसमें पहला सर्किट बुद्ध सर्किट है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का मैं अभिनंदन करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश शासन ने प्रधानमंत्री की कल्पनाओं को धरातल पर उतारने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया।उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा, 'उप्र.पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'बोधि यात्रा' का उद्देश्य राज्य में बौद्ध विरासत और तीर्थ स्थलों की झलक पेश करना है। उत्तर प्रदेश में भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म से जुड़े कई प्रमुख तीर्थ स्थल हैं। यूपी प्रारंभिक बौद्ध धर्म का केंद्र रहा है। यहीं से बौद्ध धर्म का विस्तार दुनिया के बाकी हिस्सों में हुआ। बौद्ध धर्म को मानने वाले श्रद्धालु पर्यटक प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देश–दुनिया से उत्तर प्रदेश आते हैं। बोधि यात्रा बुद्ध के जीवन, अनुभव और उपदेशों के महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रस्तुत करना है। उप्र के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह बोले,सौभाग्य से भगवान बुद्ध के जन्म से लेकर शिक्षा, ज्ञान प्राप्ति, उपदेश एवं धार्मिक जनजागृति के अभियान एवं महापरिनिर्वाण (मृत्यु) तक के सभी स्थल उत्तर प्रदेश में ही अवस्थित हैं। लुम्बिनी भारत की सीमा से मात्र 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो बुद्ध की जन्मस्थली है। इनके जन्म के उपरान्त पिता शुद्धोधन की राजधानी कपिलवस्तु आ गई जो उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद में स्थित है। वह कपिलवस्तु से ही वैराग्य जीवन में आ गए। ज्ञान प्राप्ति के उपरान्त उन्होंने पहला उपदेश सारनाथ में दिया। जयवीर सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत पांचवी नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। वर्ष 2027 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को तीसरे नंबर और 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के रूप में प्रतिस्थापित करने का संकल्प लिया है। उप्र. सबसे बड़ा राज्य होने के नाते प्रधानमंत्री के संलल्प को पूरा करने में जुटा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र को 01 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वाला अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसमें पर्यटन उद्योग का विशेष योगदान है। जयवीर सिंह ने आगे कहा, 'मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आप सभी राजनायिकों का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। कुछ विदेशिक शक्तियों द्वारा जिनका बौद्ध धर्म के उद्गम, शिक्षा, उपदेश, दर्शन एवं आध्यात्म की कभी कोई संचेतना नहीं रही है वे नकली रूप से अपने देश को बौद्ध धर्म के अनुयायी के रूप में विश्व पटल पर दिग्दर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। बौद्ध अनुयायियों को भ्रामकध्कपोल कल्पित सूचनातंत्र के माध्यम से उन्हें भ्रमित कर बौद्ध धर्म के नाम पर अपने देश में पर्यटन बढ़ाने के लिए षडयंत्र रच रहे हैं। उप्र के पर्यटन मंत्री ने कहा, 'एशिया एवं यूरोप के विभिन्न देशों के सम्मानित राजनयिकों से मेरा अनुरोध है कि आप अपने देशवासियोंध्बौद्ध अनुयायियों को उप्र के बौद्ध तीर्थ स्थलों पर पर्यटन हेतु प्रेरित करते हुए उन्हें यहां एक बार अवश्य पधारने का आह्वान करें, प्रदेश सरकार उनकी प्रत्येक सुख–सुविधा एवं धार्मिक चेतना के लिए सदैव तत्पर है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा, बुद्ध की जन्मस्थली भले लुम्बिनी रही, लेकिन उनकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश रहा। कपिलवस्तु से बुद्ध ने जो यात्रा शुरू की, वो श्रावस्ती, कपिलवस्तु, सारनाथ सहित अन्य स्थलों से होते हुए आगे बढ़ा। उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश बौद्ध धर्म का उद्गम स्थल है और यह बोधि यात्रा आपको भगवान बुद्ध की शांति और दिव्यता का अनुभव कराने की एक पहल है। बौद्ध धर्म की महत्वपूर्ण घटनाएं उत्तर प्रदेश में हुईं और इस आयोजन का उद्देश्य इन बौद्ध स्थलों को वैश्विक मानचित्र पर बढ़ावा देना है। हमारे प्रधानमंत्री के विजन के तहत काम करते हुए और राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के निरंतर प्रयासों से, हमने इन स्थलों पर बुनियादी ढांचे और विश्व स्तरीय पर्यटक सुविधाओं का विकास किया है जो देश के शीर्ष पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं। हमारी निवेशक–अनुकूल पर्यटन नीति के माध्यम से, हितधारक पर्यटन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस परिवर्तनकारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय की सचिव वी. विद्यावती ने संबोधन में कहा कि, 'बुद्ध उत्तर प्रदेश के दिल और आत्मा में बसते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर भारत सरकार का उद्देश्य न केवल बौद्ध तीर्थयात्रियों के लिए एक यादगार अनुभव बनाना है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए विकास और बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना भी है। हम राज्य में बौद्ध संग्रहालयों के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए भी उत्सुक हैं, क्योंकि वे इतिहास का एक जीवंत स्रोत हैं। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में नंबर एक स्थान प्राप्त करते हुए एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। हमें निकट भविष्य में बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के उत्तर प्रदेश आने की उम्मीद है।' कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'हम दक्षिण एशिया और दक्षिण–पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को और बेहतर करना चाहते हैं। विदेश मंत्रालय के सहयोग से सांस्कृतिक–कूटनीति में सुधार कर राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना चाहते हैं। हमने मंदिरों और गेस्ट हाउस के निर्माण के लिए पहले ही भूटान सरकार को वाराणसी में 02 एकड़ जमीन आवंटित की है।

दानवीर भामाशाह जयंती पर वैश्य नटवर गोयल ने पत्रकारों और व्यापारियों को सम्मानित किया

लखनऊ(आरएनएस)। शनिवार को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय लालबाग लखनऊ में दानवीर भामाशाह का जन्मदिन व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और व्यापारी नेता वैश्य नटवर गोयल ने पत्रकारों एवं पांच वैश्य व्यापारी नेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश वैश्य व्यापारी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश गुलहरे एवं पूर्व राज्य मंत्री नानकदीन भुर्जी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भामाशाह जी की मूर्ति को फूल माला से सुशोभित किया एवं आए हुए समाज के अतिथि गढ़ एवं पत्रकार बंधुओ का भी सम्मान किया गया। व्यापारी नेता वैश्य नटवर गोयल , गुलहरे एवं नानकदीन भुर्जी पूर्व मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भामाशाह जी के जन्मदिन को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है इसके प्रति मुख्यमंत्री की प्रशंसा एवं आभार व्यक्त किया और मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि व्यापारी समाज पूर्णता सरकार के साथ सदैव सहभागिता करने को तत्पर है। नटवर गोयल ने घोषणा की है कि प्रत्येक वर्ष 29 जून को भामाशाह जी का जन्मदिन और भी धूमधाम से प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में मनाया जाएगा एवं इसके लिए प्रदेश के सभी व्यापारियों को प्रेरित किया जाएगा। वैश्य नटवर गोयल ने कहा दानवीर वैश्य कुलभूषण महाराज भामाशाह का जन्म 1547 में वैश्य परिवार में हुआ था, महाराज एक अद्वितीय व्यक्ति थे, जिनकी जीवनगाथा ने भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। मेवाड़ के महाराणा प्रताप के बाल्यकाल से मित्र और सहयोगी होने के नाते, भामाशाह न केवल उनके विश्वासपात्र सलाहकार थे, बल्कि एक समर्पित योद्धा और महान परोपकारी भी ये। वैश्य नटवर गोयल ने यह भी बताया कि भामाशाह का जीवन अपरिग्रह, अर्थात संग्रहण की प्रवृत्ति से दूर रहकर, अपनी मातृभूमि और समाज के प्रति समर्पित था। उन्होंने हमेशा अपने जीवन का मूलमंत्र दूसरों की सहायता और उदारता में देखा। उनका मानना था कि समाज के कल्याण के लिए व्यक्तिगत समृद्धि से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। इस विचारधारा के चलते, भामाशाह का नाम इतिहास में अमर हो गया है। मेवाड के संघर्षपूर्ण दिनों में, जब महाराणा प्रताप मुगलों के विरुद्ध लडाई लड़ रहे थे, भामाशाह ने अपनी अकूत संपति समर्पित सेवाओं से महाराणा प्रताप का भरपूर सहयोग किया। जिससे महाराणा प्रताप को मेवाड का राज्य पुनः प्राप्त हो सका। इस महान योगदान ने भामाशाह को इतिहास में दानवीर के रूप में परिभाषित किया। भामाशाह जी की अपनी महान परंपराओं के कारण उल्लेखनीय व्यक्तित्वों में गिनती होती है। वैश्य समुदाय ने सदैव भामाशाह की उदारता और परोपकार को उच्च सम्मान में दिया है ।भारतीय इतिहास में ऐसे महान दानवीरों का उल्लेख मिलता है, जैसे कि महाभारत के कर्ण, जिन्हें दानवीर और अंगराज कहा जाता है। भामाशाह को भी इसी श्रेणी में रखा जा सकता है, जिन्होंने न केवल अपनी संपत्ति, बल्कि अपने जीवन को भी परोपकार और मातृभूमि की सेवा में समर्पित कर दिया। भामाशाह का जीवन और उनकी असाधारण उदारता हमें सिखाती है कि सच्चा सम्मान और अमरता परोपकार और सेवा से प्राप्त होती है, न कि केपल व्यक्तिगत संपति और शक्ति से। उनकी कहानी भारतीय इतिहास में एक प्रेरणास्रोत के रूप में बनी रहेगी। मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में भी समय समय पर शासनादेश जारी कर अधिकारीयों को स्पष्ट निर्देश करते रहे है कि व्यापारियों का सम्मान एवं सुरक्षा एवं व्यापारी का शोषण ना हो इस पर भी बल दिया जाए जिसपर माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऊपर प्रदेश के व्यापारियों का भरोसा बढ रहा है

बरसात में विद्युत आपूर्ति बहाल रहे, सभी विद्युत कार्मिक सतर्क रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने विद्युत कार्मिकों को निर्देशित किया है कि बरसात में विद्युत आपूर्ति बहाल रहे, सभी विद्युत कार्मिक सतर्क रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। मानसून में अंधेरा रहने से नागरिकों को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सभी कार्मिक उपभोक्ताओं द्वारा दी गई जानकारी एवं शिकायतों को त्वरित संज्ञान लेकर समस्याओं का समाधान करेंगे। बरसात में विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर सुरक्षा में लगी जाली, हरे पेड़ों और शाखाओं में विद्यतु करंट उतरने की संभावना रहती है, इसके लिए लोगों को जागरूक भी करें, जिससे कि किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना से होने वाली जनहानि व पशुहानि को बचाया जा सके। सभी कार्मिक अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करेंगे कि बरसात में विद्युत उपकरणों को छूने से बचें और उनसे उचित दूरी बनाकर रहें। ऊर्जा मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटनाओं से बचने के लिए बरसात में विद्युत उपकरणों के सम्पर्क में आने से बचें। ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा है कि मानसून के दौरान तेज बारिश होने, आंधी–तुफान आने, पेड़ों की शाखाओं का विद्युत तारों में छू जाने से विद्युत व्यवधान हो सकता है, जिसका त्वरित संज्ञान लेकर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य करेंगे। उन्होंने विद्युत कार्मिकों को निर्देशित किया है कि विद्युत उपकरणों में उतरने वाले करंट को रोकने के लिए उचित समाधान करें।

चहेती फार्म के अनुसार जारी किया टेंडर, डीएम ने दिए जांच के आदेश

सुलतानपुर(आरएनएस)। समाज कल्याण विभाग द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उसी तरह से निविदा बनायी गयी है, जिससे उनकी ही चहेती फर्म काम कर सके और किसी और को काम करने का मौका न मिले। इस बाबत पत्रकार विजयधर पाठक ने एक शिकायती पत्र डीएम को दिया। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना ने इसकी जांच मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक को सौंपी। जिलाधिकारी को दिए पत्र में कहा गया है कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी बड़ा घोटाला समाज कल्याण विभाग द्वारा हो सकता है। जो कि और जनपदों में जो भी निविदा निकाली गयी है वह इनसे एकदम अलग है, इनके द्वारा जो भी कमियाँ एवं घोटालों की मंशा है, वह निम्नवत है । इन्होंने उसी फर्म के हिसाब से बनायी है जिससे पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी मनमानी तरीके से कार्य आवंटित करके उसी से कार्य करा सकें। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी दूसरे ब्लाकों की शादी दूसरे दूर ब्लाकों में करा सके। सामान की गुणवत्ता जाँच, लोकल कुकर, चाँदी का सामान मानक विहीन दिया गया था और इसकी शिकायत कादीपुर के पूर्व विधायक रामचन्दर चौधरी द्वारा किया गया था। और जिलों जैसे जनपद जालौन जो भी निविदा निकाली गयी है वहाँ पर फर्म द्वारा केवल 100 लाख का टर्नओवर मांगा गया है जो कि सुलतानपुर जनपद में फर्म द्वारा समाज कल्याण विभाग में 100 लाख का काम करने का अनुभव प्रमाण पत्र मांगा गया है। जो कि सर्वथा गलत है। कोई भी टेन्ट वाला जो भी काम करता है वह इनके विभाग का 100 लाख का काम का प्रमाण पत्र कहां से लगा सकता है, हाँ वह 100 लाख का टर्नओवर दिखा सकता है।यह साबित होता है कि जो इनके यहाँ काम कर रहा है उसी फर्म एवं अपने चहेते व्यक्ति की फर्मों पर कार्य आवटिंत करने की मंशा जाहिर होती है। और नियम व शर्त के हिसाब से बनाया गया है।

गुलाब जामुन में रबर मिलने का मामला, खाद्य अधिकारियों ने लिया सैंपल

सुलतानपुर(आरएनएस)। अवंतिका फूड माल में गुलाब जामुन में रबर बैंड मिलने की शिकायत पर शनिवार को खाद्य विभाग के अधिकारियों की टीम वहां जांच करने पहुंची। जांच टीम ने गुलाब जामुन समेत तीन वस्तुओं के सैंपल लिए जिसे लैब टेस्टिंग के लिए भेजा जा रहा है। वही अवंतिका फूड माल के संचालक आलोक आर्या ने कहा है कि अगर जांच निरस्त पाई जाए तो मेरा लाइसेंस भी निरस्त हो और जुर्माना भी लगाया जाए। दरअस्ल एक कस्टमर ने शुक्रवार को अवंतिका फूड माल की एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी। जिसमें उसने आरोप लगाया था कि गुलाब जामुन में रबर बैंड निकला है। इसी को लेकर आज फूड विभाग की टीम जांच करने पहुंची। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय डॉ अमर बहादुर सिंह ने बताया कि शिकायत पर टीम

यहां पहुंची थी। तीन वस्तुओं के यहां से सैंपल लिए गए हैं। जिसमें गुलाब जामुन, खोवा और कलाकंद शामिल हैं। सभी वस्तुओं को जांच हेतु लैब टेस्ट के लिए भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इस क्रम में अवंतिका फूड माल के संचालक एवं व्यापार मडंल के प्रदेश महामंत्री आलोक आर्या ने कहा जिन्होंने कंप्लेन की कि गुलाब जामुन में रबर बैंड ऐसा निकला है। उन्होंने ही दो साल पहले कंप्लेन की कि हमारे प्रॉडक्ट में कंकड़ निकला। क्यों उन्हें ही पहले पत्थर मिलता है फिर रब बैंड मिलता है। गुलाब जामुन ऐसी चीज है जो कढ़ाई में डीप फ्राई होती है। गरम घी में कोई प्रॉडक्ट का अवशेष शेष रह नहीं सकता। उन्होंने अपने साथ साजिश का आरोप लगाया। कहा कि जांच हो और अगर जांच में प्रॉडक्ट सही नहीं पाया जाए तो कार्रवाई करते हुए लाइसेंस निरस्त कर जुर्माना लगाया जाए। अगर मेरा प्रॉडक्ट पास होता है तब भी मेरा पक्ष लीजिएगा।

नवागत एसडीएम प्रवीण यादव ने ग्रहण किया कार्यभार

रुदौली–अयोध्या। नवागत उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव ने शनिवार को रुदौली तहसील पहुंच कर कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री यादव अभी तक जनपद की सोहावल तहसील में एसडीएम न्यायिक के पद पर तैनात थे। रुदौली तहसील का चार्ज संभालने के बाद एसडीएम ने तहसील परिसर का गहन निरीक्षण किया। पहले दिन ही एसडीएम ने कड़े तेवर दिखाए।यहां पर तैनात रही एसडीएम अंशिका दीक्षित को अपर नगर मजिस्ट्रेट अयोध्या बनाया गया है।शनिवार को सुबह ही तहसील पहुंचकर नवागत एसडीएम कार्यालय में कुछ क्षण बैठने के बाद तहसील परिसर के निरीक्षण के लिए निकल पडे। एसडीएम कंप्यूटर कक्ष में पहुंचे। यहां पर शिकायती पत्रों के ऑनलाइन निस्तारण के बारे में जानकारी ली। इसके बाद अपने दफ्तर में बैठ शिकायतें भी सुनीं। एसडीएम ने कहा कि पीड़ित जनता को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता है। जनता अपनी समस्या को लेकर कभी भी दफ्तर में मिल सकती है। काम में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक सवाल के जबाब में बताया कि शासन की प्राथमिकताओं का शत प्रतिशत पालन कराना पहला कर्तव्य होगा। आम आदमी की समस्याओं का निस्तारण कराना व त्वरित न्याय पर ध्यान दिया जाएगा। बहुत जल्द परिवर्तन नजर आने लगेगा।बार और बेंच के बीच सामजंस्य स्थापित कर काम किया जाएगा।

सीएमओ के निर्देश पर फर्जी क्लीनिक पर पड़ा छापा, एफआईआर हुई दर्ज

सुल्तानपुर(आरएनएस)। नीम, हकीम खतर–ए–जांन वाली कहावत को चरितार्थ करने वाले फर्जी क्लीनिकध्नर्सिंगहोम संचालक पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्यवाई में बुरी तरह फंसा झोलाछाप डाक्टर। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बडी करते हुए उसके अस्पताल को सीज करते हुए मुकदमा भी पंजीकृत करवा दिया है। मामला जिले के अंतिम छोर अखंडनगरध भेलारा का है, जहां डां.अरूण कुमार क्लीनिक चला रहा था, बकायदा आप्रेशन से लेकर बडी से बड़ी बीमारियों से ग्रसित मरीजों को अपने अस्पताल में भर्ती करता था।आप्रेशन से लेकर सभी बीमारी का ईलाज करने से भी नही डरता था।शिकायतों के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित करते हुए उप मुख्य चिकित्साधिकारी डां.पीडी त्रिपाठी व वरिष्ठ सहायक विजय कुमार राय के

नेतृत्व में टीम गठित की। टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ डां. अरूण कुमार के अस्पताल पर छापा मारा तो मामला काफी चौकाने वाला निकला। अस्पताल में हार्निया आप्रेशन व अन्य मरीज मिले, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल संचालक से उसकी डिग्री मांगी जो उसके पास थी ही नही, मतलब साफ था कि फर्जी आदमी डाक्टर बनकर आम लोगों की जिंदगी से कितना खौफनाक खेल खेल रहा था।बहरहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को उक्त अस्पताल संचालक के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए निर्देशित करते हुए अस्पताल को सीज कर दिया। मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि जनपद में एक भी फर्जी नर्सिंगहोम या क्लीनिक नही चलेगी। इंसानों की जिंदगी से किसी को भी खेलने का हक नही है, चिकित्सक भरोसे का नाम है, बगैर डिग्री के लोग अगर इस पेशे में उतरेंगें तो इंसानी जिंदगियों के लिए खतरे बढ़ जाएगें, इसलिए इसपर सख्ती के साथ कार्यवाई होगी।

फरार इंस्पेक्टर पर चलेगा दुष्कर्म का मुकदमा, जिला जज ने निरस्त किया रिवीजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। फरार इंस्पेक्टर नीशू तोमर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। शनिवार को सत्र न्यायालय ने सीजेएम के आदेश की पुष्टि करते हुए पुलिस की विवेचना निरस्त करते हुए उन पर रेप, धन हड़पने व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा चलाने के आदेश को सही ठहराया है। जिला जज जय प्रकाश पांडे ने इंस्पेक्टर नीशू तोमर की रिवीजन को निरस्त कर दिया है। मामला चर्चित महिला कॉन्स्टेबल के साथ लैंगिक अत्याचार का है।पीड़िता महिला कॉन्स्टेबल के अधिवक्ता संतोष पांडे ने बताया कि पुलिस कार्यालय में तैनात रही एक महिला कांस्टेबल ने 14 जुलाई 2022 को कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज कराया था। उसने हलियापुर थाने में तैनाती के दौरान वहां के थानाध्यक्ष नीशू तोमर पर रेप करने, पैसा हड़पने तथा अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने का आरोप लगाया था। जिसकी पुष्टि महिला कॉन्स्टेबल ने अपने 164 के कलम बंद बयान में भी किया है। यह भी बताया कि वहां से ट्रांसफर होने के बाद भी आरोपी इंस्पेक्टर उसके साथ रेप और मारपीट करता था।

सितंबर 2022 में विवेचना के दौरान आरोपित को तत्कालीन महिला थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार किया फिर वह लापता हो गया। जिसके संबन्ध में इंस्पेक्टर की पत्नी ने भी उच्च न्यायालय तक में याचिका दायर कर रखी है। वही विवेचक ने सभी धाराओं के आरोपों को झूठा मानकर महज गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप पत्र न्यायालय में भेज दिया था। जिस पर महिला कॉन्स्टेबल की ओर से प्रोटेस्ट दाखिल किया गया था। 8 अप्रैल 2024 को आदेश हुआ कि इंस्पेक्टर नीशू तोमर पर रेप, धन हड़पने व अन्य धाराओं में मुकदमा चलने के साक्ष्य हैं। इस आदेश के संबंध के विरुद्ध रिवीजन दायर किया गया था। जिसको जिला जज ने सही ठहराते हुए सीजेएम के आदेश को विधि सम्मत माना है।

नायब तहसीलदार की कोर्ट से सात पत्रावलियां गायब

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय तहसील से एक सनसनीखेज आरोप सामने आया है। एक अधिवक्ता ने केवल खुद से संबंधित सात फाइलें गायब होने का आरोप लगाते हुए डीएम से शिकायत की है। चर्चा है कि ऐसी सौ से अधिक फाइलें गायब हैं। हालांकि तहसीलदार का कहना है कि रजिस्ट्रार कानूनगो का तबादला होने से कुछ फाइलें हैंडओवर नहीं हुई हैं। सोमवार तक सारी फाइलें उपलब्ध हो जाएंगी।यह सनसनीखेज शिकायत अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने की है। उन्होंने डीएम को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि नायब तहसीलदार गुलाब सिंह की कोर्ट से उनकी कृष्णा बनाम राधे प्रसाद रैंचा,प्रेमा देवी बनाम प्रताप गौहनिया, राम दयाल बनाम राम पदारथ बरासिन, ज्ञानेंद्र बनाम रमाकांत हैंहनाकला, सुशील कुमार बनाम ज्वाला प्रसाद अरवल, साबित खान बनाम मोहम्मद इसराइल, राम चरण बनाम मंगरू कुल सात फाइलें गायब हैं। उन्होंने कहा कि एसडीएम ने शुक्रवार तक यह फाइलें मिल जाने के प्रति आश्वस्त किया था, किंतु यह फाइलें मिल नहीं पाई हैं। यही नहीं उनका आरोप है कि तहसील में अनाधिकृत रूप प्राइवेट लोग सरकारी काम कर रहे हैं, जिनकी वजह से यह फाइलें गायब हो रही हैं। यही नहीं अधिवक्ताओं में चर्चा है कि करीब 127 फाइलें विभिन्न कोर्ट से गायब हैं।इस बारे में तहसीलदार अरविंद तिवारी ने कहा कि कोई फाइल कोर्ट से गायब नहीं हुई है। रजिस्ट्रार कानूनगो का प्रमोशन होने के बाद उनका तबादला रायबरेली हो गया है। उनके पास अभी कुछ फाइलें हैं, जो हैंडओवर नहीं हो सकी हैं। रविवार तक वे आकर सारी फाइलें हैंडओवर कर देंगे। निजी रूप से कोई व्यक्ति काम नहीं कर रहा है।केवल आउटसोर्सिंग पर रखे गए दो कर्मचारी ही काम कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं को हर सुविधा देने के लिए तैयार है नगर निगम – गिरीश पति त्रिपाठी

अयोध्या। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के अगल–बगल के इलाकों में जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। श्री राम चिकित्सालय में पिछली दीवाल के गिर जाने के कारण पूरे चिकित्सालय में कीचड़ की स्थिति को भी देखा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल इसके समाधान के लिए निर्देशित किया जिससे मरीजों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। महापौर ने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के बगल जलवानपुरा मोहल्ले में के जलभराव को देखा। यहां के जलभराव के समाधान के लिए लगे पम्पों से त्वरित गति से पानी निकालने का निर्देश दिया। महापौर ने बताया कि जलवानपुरा लो लैंड है। जहां विगत कई वर्षों से जलभराव की स्थिति रहती है। पानी निकालने के लिए 4 पंप लगाए गए है। जिसमें 2 मॅड पम्प, 1 इलेक्टिक पम्प तथा एक डिलेवरी पम्प लगा कर जल निकासी की जा रही है। लगभग एक सप्ताह में यहां जलभराव का स्थाई समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा श्री राम चिकित्सालय समेत जहां–जहां जलभराव की स्थिति है। वहां जल निकासी की व्यवस्था कर ली गयी है। अयोध्या वासी और श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधा देने के लिए नगर निगम तैयार है। आमजन को कोई भी असुविधा नही होनें दी जाएगी। इस दौरान पार्षद अनुज दास, अभय श्रीवास्तव, अंकित त्रिपाठी, अनिकेत यादव विनय जायसवाल, रिशु पाण्डेय, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय, अधिशाषी अभियंता, अवर अभियंता सहित नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जलभराव को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मिल्कीपुर–अयोध्या। अयोध्या–रायबरेली फोरलेन से जुड़े बारुन–तरमा सम्पर्क मार्ग के मुहाने पर जलभराव के कारण ग्रामीणों ने पीएनसी और प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन कर रहे राजेश कौशल ने बताया कि कुछ माह पहले निर्मित हुए अयोध्या–रायबरेली फोरलेन को तो ऊंचा कर दिया गया परंतु लिंक मार्ग के मुहाने को ऊंचा नहीं किया गया जिस कारण यहां भारी जल भराव हो रहा है और दुकानों में पानी घुस रहा है।जब फोरलेन का निर्माण हो रहा था तभी पीएनसी को इस समस्या से अवगत कराया गया था परंतु पीएनसी कुछ नहीं किया। शनिवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश के बाद इस मोड़ पर स्थित कई दुकानों में पानी घुस गया।दुकानदार अमित जायसवाल,अजय मौर्या आदि का आरोप है कि पानी घुसने से उन्हें काफी नुकसान हुआ। इसके अलावा तरमा निवासी सोहराब,पुरैनी के विकर्मा पासी,भीम का पुरवा के शिवलाल,देवरिया के शिव नारायन शर्मा,संतोष कुमार,खिहारन के सोनू मौर्य,पंचराम आदि पानी में गिर पड़े जिससे उन्हे हल्की फुल्की चोटें आई हैं।भुलनापुर निवासी फूलचंद का जलभराव में संतुलन बिगड़ने से उसका लगभग 12 लीटर दूध पानी में गिर कर खराब हो गया। ग्रामीणों के प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक दया शंकर तिवारी ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर प्रदर्शन समाप्त कराया।

विद्युत पोल में उतरे करंट की चपेट में आयी गाय

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील अन्तर्गत नगर पंचायत कुमारगंज में बिजली पोल में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से दो गाय की मौत हो गई। गनीमत रही कि बिजली पोल में दौड़ते करंट की चपेट में कोई व्यक्ति नहीं आया, नहीं तो बड़ी घटना भी घट सकती थी। देशराज ने कहा कि हम गायों को छुड़ाने के लिए जा रहे थे लेकिन पास में खड़े लोग के चिल्लाने लगे जिसके चलते हम नहीं गए जिससे हमारी जान बच गई। घटना के बाद गाय पालक ने विद्युत कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप लगाया हैं। बता दें कि शनिवार को क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई थी। इसके चलते सड़कों और आने जाने वाले मार्गों के किनारे जलभराव की स्थिति बन गई थी। जानकारी के मुताबिक पिठला के रायबरेली नेशनल हाईवे के पश्चिम ओर संतराम विश्वकर्मा के घर के सामने लोहे का लगे 11000 हाई टेंशन के डबल विद्युत पोल में करंट फैला हुआ था। पोल के आस–पास पानी भी भरा हुआ था। माना जा रहा है कि दोनों गाय बिजली पोल के पास भरे पानी को पीने लगी तभी करंट की चपेट में आ गई, जिससे दोनों गायों की मौत हो गई। गाय पालक देशराज ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही से उसकी गायों की मौत हुई।नगर पंचायत कुमारगंज के सभासद विकास सिंह ने घटना की जानकारी विद्युत विभाग को देते हुए विद्युत सप्लाई बंद कराया। सप्लाई बंद होने के बाद भी कोई भी कर्मचारी मौके तक नहीं पहुंचा। एनएचआई के कर्मचारियों ने जीसीसी मशीन से खोद कर दफनवा दिया।

भामाशाह हमारी चेतना के आधार स्तम्भ

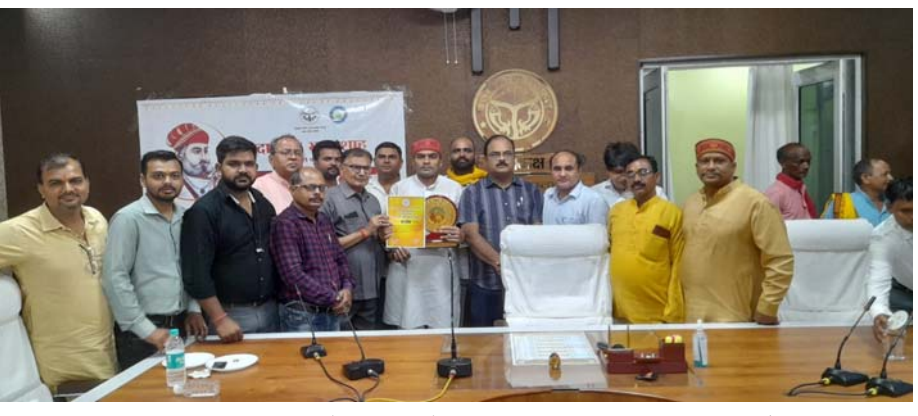

सुलतानपुर(आरएनएस)। संस्कृति, सूचना विभाग एवं राज्यकर विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित भामाशाह जयंती ष्व्यापारी कल्याण दिवसष के अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल सुल्तानपुर को उनकी व्यापारिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशंसनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

संगठन की ओर से प्रदेश मंत्री हिमांशु मालवीय, क्षेत्रीय प्रभारी अमर बहादुर सिंह, जिलाध्यक्ष विजय प्रधान, जिला प्रभारी प्रवीन्द्र भालोठिया, वरिष्ठ जिला महामंत्री अम्बरीष मिश्रा, जिला महामंत्री मनीष साहू ने जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना और मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक से स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर संगठन के जिला कार्यालय पर भामाशाह जयंती को धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर कई व्यापारी बन्धुओ को व्यावसायिक सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्वनाथ कसौधन,सरदार बलदेव सिंह,शंकर लाल कैलाशी,संदीप श्रीवास्तव एवं जीएसटी सलाहकार कुलदीप श्रीवास्तव को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हिमांशु मालवीय ने कहा कि हमारा संगठन कई वर्षों से व्यापारी कल्याण दिवस की मांग करता आ रहा था जिसपे वर्तमान सरकार ने व्यापारियों के मान सम्मान को ध्यान में रखते हुए व्यापारी कल्याण दिवस घोषित किया। जिसके लिए हमारा संगठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल को धन्यवाद ज्ञापित करता है। भामाशाह जी के व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा करते हुए अमर बहादुर सिंह ने कहा भामाशाह ने राष्ट्र की स्वायत्तता के लिए अपनी सम्पूर्ण संपत्ति को दान कर राष्ट्र को स्वतंत्र कराने में अग्रणी भूमिका निभाई।जिस कारण महाराणा प्रताप ने मुगलो से युद्ध मे मेवाड़ को स्वतंत्र कराया। जिला अध्यक्ष विजय प्रधान ने कहा जब भी राष्ट्र पर संकट आया भामाशाह के पद चिन्हों का अनुसरण करते हुए व्यापारी समाज ने तन मन धन से समाज और सरकार का सहयोग किया पर अभी तक व्यापारी समाज को वो सम्मान नही मिल पाया था, मौजूदा सरकार ने व्यापारियों के सम्मान को ध्यान में रखकर जो शुरुआत की है वो सराहनीय है और उसके लिए प्रदेश सरकार की जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सी.एम.एस. में 'शिक्षक स्वागत समारोह का उद्घाटन

लखनऊ, 29 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित 'शिक्षक स्वागत समारोह' का उद्घाटन आज सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने किया जबकि लखनऊ के जिलाधिकारी श्री सूर्यपाल गंगवार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारकर समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान वास्तव में समाज एवं भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए सौभाग्य की बात है। आज मैं शिक्षा जगत के युगपुरुष डा. जगदीश गाँधी जी को हार्दिक श्रद्धान्जलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने समाजिक उत्थान एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।

मुझे विश्वास है कि सी.एम.एस. सदैव डा. जगदीश गाँधी जी के विचारों पर चलकर देश व समाज की सेवा करता रहेगा। इस भव्य समारोह में सी.एम.एस. संस्थापिका डा. भारती गाँधी एवं सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के कर्तव्यपरायण शिक्षकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण सी.एम.एस. के 74 मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह रहा, जिन्होंने इस वर्ष की आई.एस.सी. एवं आई.सी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत से अधिक अंको के साथ टॉप कर लखनऊ का गौरव सारे देश में बढ़ाया है। इन सभी छात्रों को सी.एम.एस. प्रबन्धन द्वारा एक–एक लाख रूपये का चेक भेंटकर सम्मानित किया गया। इससे पहले, कार्यक्रम का शुभारम्भ सी.एम.एस. शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत स्कूल प्रार्थना एवं वंदे मातरम की सुमधुर प्रस्तुति से हुआ। इस अवसर पर सी.एम.एस. शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए सी.एम.एस. की संस्थापिका निदेशिका डा. भारती गाँधी ने कहा कि शिक्षकों के माध्यम से ही समाज में रचनात्मक बदलाव आयेगा, क्योंकि शिक्षक ही बच्चो को महान इन्सान बनाते हैं। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि आज छात्रों क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करने की आवश्यकता है, साथ ही पर्यावरण व अन्य सामाजिक मुद्दों पर भी भावी पीढ़ी को जागरूक करने की आवश्यकता है।

मां कामाख्या भवानी मंदिर का होगा कायाकल्प

अयोध्या। रामनगरी के पौराणिक धार्मिक स्थल मां कामाख्या भवानी धाम जो रुदौली तहसील क्षेत्र मे स्थित है, का प्रदेश के योगी सरकार सौन्दर्यीकरण कराएगी। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने व मां कामाख्या धाम को पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने के लिए मंदिर का कायाकल्प कराया जाएगा। इसके लिए योगी सरकार ने 80 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। रुदौली तहसील क्षेत्र स्थित मां कामाख्या भवानी मंदिर को लेकर लोगों मे बड़ी आस्था है। यहाँ प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए आते हैं। यहाँ आने वाले लोगों को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश कि योगी सरकार मां कामाख्या धाम मंदिर का कायाकल्प करा रही हैं।

घनघोर बरसात से खड़ंजा धंसा आवागमन अवरुद्ध

चांदा सुलतानपुर(आरएनएस)। विकासखंड प्रतापपुर कमैचा के ग्राम मधैया (ग्राम सभा फुटेला) में घनघोर बरसात होने से पानी के तेज बहाव के कारण खड़ंजा जमीन में धंस गया जिससे आवागमन संपूर्ण रूप से बाधित हो गया। विदित हो कि इस मार्ग से फुटेला, मधैया तथा नजदीक के अन्य गांव के लोगों को धोपाप संपर्क मार्ग, चांदा बाजार, महारानी पश्चिम स्टेशन, कोथरा बाजार आदि जगहों पर जाने में आसानी मिलती है। इस खड़ंजे के टूट जाने से स्थानीय ग्रामीणों को बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा इस मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फुटेला शिवशंकर गुप्त को दी गई। उन्होंने कहा कि खड़ंजे को अतिशीघ्र ही दुरुस्त करा दिया जाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 30 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

दूरगामी एजेंडे का हिस्सा

लोकसभा के सदस्यों से आवश्यक शिष्टता, शालीनता, मर्यादा, भाषाई संयम और व्यावहारिक विवेक की अपेक्षा करना तो लगभग संभव ही नहीं रह गया है। फिर भी उनके महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक पद के अनुसार न्यूनतम शिष्टाचार की उम्मीद तो रहती ही है।लेकिन इस बार नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ लेते समय शपथ ग्रहण मंच को जिस तरह से अपने–अपने एजेंडे का माध्यम बनाया वह जितना हतप्रभ करने वाला था उतना ही दुखद भी था। भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने शपथ लेने के बाद श्श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और नरेन्द्र मोदी जिंदाबादच्च के नारे लगाए। तो बरेली के भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिन्दू राष्ट्रवाद का नारा लगाकर धर्मनिरपेक्षवादी विपक्ष को सुई चुभाने का काम किया।इसी तरह अनेक नवनिर्वाचित सांसद एक के बाद एक अपने–अपने एजेंडे को सामने रखते हुए शपथ लेने के समय नारे लगाते देखे गए। लेकिन सबसे ज्यादा हैरत में डालने वाला शपथ ग्रहण ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता असद्दीन ओवैसी का रहा। उन्होंने विशुद्ध इस्लामिक तरीके से अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए वे थे जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। प्रत्यक्षतरू लग सकता है कि उनके ये नारे सत्ता पक्ष को चिढ़ाने के लिए थे।इन नारों से सत्ता पक्ष विशेषकर राष्ट्रवादी भाजपा का कुनबा चिढ़ा भी, गुस्सा भी हुआ और आक्रामक भी। लेकिन इस पक्ष के पास ऐसा कोई कानूनी औजार नहीं था जिससे इस तरह की शपथ लेने वाले, हर समय इस्लाम और मुसलमान की दुहाई देने वाले इस सांसद ओवैसी को दंडित जैसा कुछ किया जा सके।

वस्तुतरू ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता ऐसी बातें भ्रमवश, चूकवश या सिर्फ उकसावे के लिए नहीं करते। इस तरह की चीजें उनके दूरगामी एजेंडे का हिस्सा होती हैं जिसमें इस्लामी वर्चस्व, ध र्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं और इनके नाम पर मिली अभिव्यक्ति की आजादी इनके मुख्य एजेंडे के लिए सिर्फ कवच मात्र होते हैं।

इसलिए ओवैसी के नारों के निहितार्थ से केवल भाजपा, आरएसएस कुनबे को कम, बल्कि कथित धर्मनिरपेक्षतावादियों को ज्यादा चिंतित होना चाहिए और उन्हें इस तरह की स्थितियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि इनमें भविष्य की जिन टकराहटों की आहट छिपी हुई है, वह इस देश में सांप्रदायिक सद्भाव के स्वप्न को कभी पूरा नहीं होने देगी।

सियासत होती ही ऐसी है

सियासत होती ही ऐसी है कि कोई भी सीधी राह नहीं चलता। एक यदि आरएसएस को अपवाद मान लिया जाए तो चाहे वे समाजवादी रहे हों या वामपंथी या फिर कांग्रेस जैसे नरम दक्षिणपंथी ही क्यों न हो, सभी अपनी राह समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहे हैं।इनमें अंबेडकरवादी आंदोलन से उपजे राजनीतिक दल भी शामिल हैं। चूंकि वर्तमान में देश में दलित समुदायों को सबसे अधिक बहुजन समाज पार्टी प्रिय है, लिहाजा यह बेहद मौजूं विषय है कि मायावती अपनी राजनीति में किस तरह की करवटें बदल रही हैं। हाल में उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक बनाकर फिर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है जबकि लोक सभा चुनाव के प्रारंभिक चरणों में उन्होंने आकाश आनंद को न केवल राष्ट्रीय समन्वयक, बल्कि अपने उत्तराधिकार की गद्दी से भी उतार दिया था। तब मायावती ने कहा था कि आकाश अभी अपरिपक्व हैं। दरअसल, इस बार के लोक सभा चुनाव के पहले बसपा को लेकर उसके कैडर में ऊहापोह की स्थिति रही। वजह यह कि मायावती ने अंतिम समय तक अपने पत्ते नहीं खोले कि वह इंडिया गठबंधन में शामिल होंगी या एनडीए गठबंधन में। अंतिम समय में उन्होंने अकेले ही चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

लेकिन जिस तरह से उन्होंने उत्तर प्रदेश, जहां लोक सभा की कुल 80 सीटें हैं, में अपने उम्मीदवारों, जिनमें अधिकांश मुसलमान थे, का चयन किया तो उनके कैडर मतदाताओं को भी लगने लगा कि मायावती खास रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि पहला मौका नहीं था जब मायावती ने दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं पर यकीन किया। इसके पहले भी वह इस रणनीति को आजमाती रही हैं। लेकिन तब होता यह था कि ओबीसी का एक हिस्सा उनके साथ खड़ा रहता था। इसके पीछे वजह यह होती थी कि पिछड़ा वर्ग के अनेकानेक नेता तब बसपा के हिस्सा थे। इनमें स्वामी प्रसाद मौर्य से लेकर बाबू सिंह कुशवाहा आदि नेता भी थे। इस कारण होता यह था कि दलित, अल्पसंख्यक और गैर–यादव पिछड़ा वर्ग के साथ होने की वजह से बसपा या कहिए कि मायावती की राजनीति चलती रहती थी। लेकिन धीरे–धीरे गैर–यादव पिछड़ा वर्ग बसपा से दूर होने लगा। यही वजह रही कि 2007 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपने बूते सरकार बनाने वाली मायावती पिछली बार हुए विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट और हाल में संपन्न लोक सभा चुनाव में एक सीट भी जीतने में नाकाम रहीं, लेकिन इस बार के चुनाव के पहले तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बसपा के समर्थकों के मन में एक आस थी। यह आस आकाश आनंद के रूप में थी। आस की वजह यह थी कि मायावती ने एक नौजवान को अपना उत्तराधिकारी बनाया था और उनके समर्थकों को लगने लगा था कि अब यह पार्टी फिर से जीवित हो सकेगी। इसी विश्वास और कामना के साथ आकाश आनंद ने जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत की तब उनके समर्थकों में जोश भर गया। बड़ी संख्या में लोग उनकी रैलियों में जुटने लगे। एकबारगी लगने लगा कि बसपा भाजपा की श्बीच्च टीम नहीं है। इसकी वजह भी थी। और वजह यह थी कि आकाश आनंद ने केंद्र में सत्तासीन भाजपा को आड़े हाथों लेना शुरू किया। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और देश में बढ़ रही नफरत के लिए भाजपा की आलोचना खुले मंच से की। आकाश आनंद के इस रुख ने देश भर के राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। बसपा के कैडर समर्थकों को भी लगने लगा कि यदि यही दिशा और संवेग कायम रहा तो जो गैर–यादव पिछड़ा वर्ग है और जो मुसलमान हैं, वे बसपा को अपना समर्थन देंगे। लेकिन इससे पहले कि आकाश आनंद की यह रणनीति विस्तार पाती, मायावती ने उन्हें उत्तराधिकारी की गद्दी से नीचे उतार दिया। उनके द्वारा अचानक लिए गए इस फैसले को उनके कैडर समर्थकों ने भी इसी रूप में माना कि शायद मायावती को आकाश आनंद द्वारा भाजपा सरकार की आलोचना पसंद नहीं है, और यह इसलिए कि वह भाजपा के दबाव में हैं।नतीजा यह हुआ कि चंद्रशेखर आजाद जैसे युवा दलित नेता ने पहली ही बार में नगीना लोक सभा का चुनाव जीत लिया और मायावती बुरी तरह हार गई। मायावती के उपरोक्त कदम से सबसे अधिक निराश गैर–जाटव दलित, गैर–यादव पिछड़े और मुसलमान हुए, लेकिन लोक सभा चुनाव के बाद मायावती ने अपने फैसले को दुबारा क्यों पलटा, इस बारे में हालांकि उनकी ओर से कोई सफाई नहीं दी गई है, लेकिन सियासी गलियारे में सभी जानते हैं कि लोक सभा चुनाव में जीत मिलने के बाद चंद्रशेखर की पकड़ दलित मतदाताओं पर तेजी से बढ़ने लगी है।हाल में चंद्रशेखर ने सार्वजनिक रूप से यह बयान भी दिया था कि यदि आकाश आनंद चाहें तो उनकी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

टूटी–फूटी सड़कों पर टोल–टैक्स लेना ज्यादती है

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक–जीवन को न केवल अस्त–व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध ा कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है।बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, ध ोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी–फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधि ाकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क–क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुध ारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं। किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं हैय लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली–पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक–जीवन को न केवल अस्त–व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविध ाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही

सपा–कांग्रेस साथ–साथ, लेकिन सीट बंटवारे पर संशय बरकरार

बता दें इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव होने हैं। वहीं अगले साल की शुरूआत में दिल्ली और उसके बाद अक्टूबर–नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव होने है। सपा महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा सीटों के लिए अपना दावा की कर रही है। लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लिये यह अच्छी खबर है कि हरियाणा–महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों और उत्तर प्रदेश में होने वाले उप विधान सभा चुनाव में भी सपा–कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। इससे जहां यूपी में कांग्रेस को तो अन्य राज्यों में समाजवादी पार्टी को अपना विस्तार करने का मौका मिलेगा, इससे सपा को सबसे बड़ा यह हो सकता है कि उसको क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाये। इस रणनीति के साथ राहुल–अखिलेश आगे बढ़ रहे हैं। अबकी से दोनों दलों का आलाकमान काफी फूंक–फूंक कर कदम रख रहा है। इसीलिये यह भी तय किया गया है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से गठबंधन पर बात करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध यक्ष राहुल गांधी ही अधिकृत होंगे, ताकि हाल में सम्पन्न मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जैसी तल्खी दोनों दलों के बीच दोबारा न पैदा हो। वैसे यह स्वभाविक भी था। क्योंकि इससे फायदा दोनों ही दलों को मिलेगा।गौरतलब हो, कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में कहा भी था कि यूपी के दो लड़के हिन्दुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे–खटाखट–खटाखट। इस बात को स्पष्ट संकेत माना जा रहा था कि कांग्रेस अन्य राज्यों के चुनाव में सपा को साथ रखने की इच्छुक है। अखिलेश की पीडीए रणनीति यूपी लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुई है। इस पीडीए रणनीति का विस्तार अब अन्य राज्यों में भी करने की सोच के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। बता दें इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव होने हैं। वहीं अगले साल की शुरूआत में दिल्ली और उसके बाद अक्टूबर–नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव होने है। सपा महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा सीटों के लिए अपना दावा की कर रही है। महाराष्ट्र में पिछले चुनाव में उसके दो विधायक जीते थे। हरियाणा में भी करीब 20 सीटों पर मुस्लिम और यादव समीकरण प्रभावी है। सपा नेतृत्व चाहता है कि अन्य राज्यों में उसकी हिस्सेदारी बढ़े, ताकि उसे राज्य पार्टी से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल सके। बात उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने है, जिसमें 9 सीटें यहां के विधायकों के लोकसभा सांसद चुने जाने के चलते खाली हुए हैं तो कानपुर की सीसामऊ सीट विधायक इरफान सोलंकी की सदस्यता जाने से रिक्त हुई है। कांग्रेस पश्चिम यूपी के साथ–साथ पूर्वांचल के इलाके की सीटों पर उपचुनाव लड़ने का प्लान बनाया है। यूपी की जिन 10 सीटों पर उपचुनाव है, उसमें करहल, मीरापुर, खैर, फूलपुर, मझवा, कुंदरकी, गाजियाबाद, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ सीट है। इनमें से 5 विधानसभा सीटें सपा कोटे की खाली हुई हैं तो 3 सीटें बीजेपी की रिक्त हुई हैं। इसके अलावा एक सीट आरएलडी और एक सीट निषाद पार्टी की है। यह उपचुनाव एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए काफी अहमियत रखता है। ऐसे में दोनों ही गठबंधन एक–दूसरे की सीटें कब्जा करने की कोशिश में है, लेकिन उससे पहले सीट बंटवारा भी कम अहम नहीं है। खैर, सीटों के बंटवारे की बात कि जाये तो कांग्रेस उपचुनाव में सपा से पांच सीटें मांग रही है, कितनी सीटों पर समझौता होता है यह तो दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व की बैठक में ही तय होगा। कांग्रेस की ओर से यूपी की 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव में लगातार दावेदारी की जा रही है। माना जा रहा है कि सपा उपचुनाव में कांग्रेस को गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर सीट दे सकती है, लेकिन यूपी कांग्रेस ने उप–चुनाव के लिए पांच सीटों का चयन किया है। फूलपुर, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, अलीगढ़ की खैर, मिर्जापुर की मझवा और गाजियाबाद सीट है। कांग्रेस के अंदुरूनी सूत्रों का कहना है कि वह सपा की 2022 में जीती

संविधान और संसद के लिए खतरनाक प्रवृत्ति

रजनीश कपूर

आनेवाले वर्षों में कोई सांसद श्जय अमेरिकाच्च, श्जय पाकिस्तानच्च या श्जय चीनच्च का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।ज् संसद में चाहे ष्जय श्री रामष् का नारा लगे और चाहे ष्अल्लाह हो अकबरष् का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए।

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद अससुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौक गया। उन्होंने श्जय भीमच्च, श्जय मीमच्च, चजय तेलंगानाच्च और श्जय फिलिस्तीनच्च का नारा लगाया। जहां तक श्जय भीमच्च और श्जय तेलंगानाच्च जैसे नारों की बात है तो ये देश के सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक दूसरे देश की जयकार बोलना, वो भी संसद के भीतर, ये किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही गलत परंपरा की शुरुआत की है। आनेवाले वर्षों में कोई सांसद श्जय अमेरिकाच्च, श्जय पाकिस्तानच्च या श्जय चीनच्च का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है। बल्कि इसका भाव है, सर्व धर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किये गये जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया। शा

यद इसी का परिणाम है कि पिछले दस वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधान सभाओं में जोर–जोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम ये हो रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और अक्रमकता पहले से ज्यादा बढ़ गई है। जबकि ये एक खतरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं। हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फिलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएँगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूँ और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आरएसएस से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गये हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से केवल 36. 6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ हिंदुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने बीजेपी को वोट दिया। तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूँकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने बीजेपी को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिंदू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं।

हम सब मानते हैं कि हमारा ध र्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे हिंदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है?हमारे धर्म के चार स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर बीजेपी हिंदू धर्म के पुरोधा कैसे हुए?

सनातन धर्म में साकार और निराकार दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत है। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग व अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या एक जय घोष नहीं होता। जैसे श्जय श्री रामच्च किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग श्जय सिया रामच्च, श्राम–रामच्च श्जय रामजी कीच्च आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। श्जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसीच्च। फिर केवल श्जय श्री रामच्च ध ार्मिक उदघोष कैसे हुआ?

ऐसी तमाम अन्य सब बातों को भी देख सुनकर कर यह स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिंदुत्व सनातन धर्म नहीं है। ये इनकी राजनीति के लिये एक अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि संसद में चाहे ष्जय श्री रामष् का नारा लगे और चाहे ष्अल्लाह हो अकबरष् का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फिलिस्तीन का नारा तो और भी खतरनाक प्रवृत्ति को दर्शाता है। आशा की जानी चाहिए कि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष इस विषय पर गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करेंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे। परिवार वालों के साथ आप खुशियों के पल बिताएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ेगी।

वृष राशि आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी। आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। ऑफिस में किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे।

मिथुन राशि आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रूचि लेंगे। उन्हें पढ़ाई–लिखाई में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए। ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ उपहार देंगे।

कर्क राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके माता–पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। बढ़ते खर्च को कम करने के लिए नया प्लान बनाएंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है।

सिंह राशि आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। आज घर पर अचानक मेहमानों का आगमन होगा। आज आपका ध्यान ध ार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। कार्यों में जीवनसाथी के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या राशि आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। आज कई योजनाएँ समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

तुला राशि आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

वृश्चिक राशि आज आपका सोचा हुआ काम पूरा होगा। आसपास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई फैसला लेंगे, जिसका फायदा अवश्य मिलेगा। रोजमर्रा के काम समय पर पूरे होंगे। आज आपके व्यवहार से जीवनसाथी प्रसन्न होंगे। लवमेट के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गयी व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे।

मकर राशि आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। आज वाहन लेने के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा। आज आय के नए स्रोत सामने आयेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी तारीफ करेंगे, इससे आपके रिश्ते में और मधुरता आएगी।

मीन राशि आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आज शाम को किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तें बेहतर बनेंगे। आज सीनियर्स आपके काम से खुश होंगे। आज आपको सेहत के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। आज नौकरी में पदोन्नति होगी।

5 जुलाई को ईरान में फिर चुनाव, खामेनेई समर्थक जलीली और हिजाब विरोधी पजशकियान में टक्कर

25 मिलियन से अधिक वोटों की गिनती के साथ, उदारवादी विधायक मसूद पेजेशकियान 10 मिलियन से अधिक वोटों के साथ कट्टरपंथी राजनयिक सईद जलीली से 9.4 मिलियन से अधिक वोटों से आगे हैं। दोनों में से कोई भी उम्मीदवार ईरान के राष्ट्रपति पद का दावा करने के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ।चुनावों में शीर्ष उम्मीदवारों में से किसी को भी 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले, जिसके बाद ईरान 5 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए तैयार है। शुक्रवार को हुए मतदान में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। वोटों की गिनती में एकमात्र उदारवादी उम्मीदवार आश्चर्यजनक रूप से सर्वोच्च नेता के कट्टरपंथी शिष्य से आगे निकल गया। मंत्रालय द्वारा जारी अनंतिम परिणामों के अनुसार, शनिवार को 25 मिलियन से अधिक वोटों की गिनती के साथ, उदारवादी विधायक मसूद पेजेशकियान 10 मिलियन से अधिक वोटों के साथ कट्टरपंथी राजनयिक सईद जलीली से 9.4 मिलियन से अधिक वोटों से आगे हैं। दोनों में से कोई भी उम्मीदवार ईरान के राष्ट्रपति पद का दावा करने के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ। ईरान के कानून के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक मत हासिल करने पर ही कोई उम्मीदवार विजेता घोषित किया जा सकता हैं और यदि ऐसा नहीं होता है, तो शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होगा। ईरान के राष्ट्रपति पद के चुनावी इतिहास में केवल एक बार

2005 में ऐसा हुआ है जब कट्टरपंथी महमूद अहमदीनेजाद ने पूर्व राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी को हराया था। इस्लामी ने कहा कि परिणाम को देश की संरक्षक परिषद की औपचारिक मंजूरी की आवश्यकता होगी, लेकिन उम्मीदवारों ने परिणाम को कोई चुनौती नहीं दी है। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मई में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु हो गई थी, जिस कारण देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराया गया। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है, जब इजराइल–हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक स्तर पर तनाव है और ईरान पिछले कई वर्षों से आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

यूक्रेन में पाए गए मिसाइल के अवशेष उत्तर कोरिया के हैं– अनुसंधान विशेषज्ञों ने संरा से कहा

रूस और उत्तरी कोरिया के साथ बहस करते हुए कहा कि 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' (डीपीआरके) यानी उत्तर कोरिया से हथियारों के निर्यात को लेकर लगाए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का दोनों देशों ने उल्लंघन किया है। वर्ष 2018 से यूक्रेन पर हमलों में इस्तेमाल किए गए हथियारों का पता लगाने वाले एक शोध संगठन के प्रमुख ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि यह "अकाट्य" रूप से स्थापित हो चुका है कि यूक्रेन में पाए गए बैलिस्टिक मिसाइल के अवशेष उत्तर कोरिया के हैं। बैठक में अमेरिका और उसके सहयोगी पश्चिमी देशों ने रूस और उत्तरी कोरिया के साथ बहस करते हुए कहा कि 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' (डीपीआरके) यानी उत्तर कोरिया से हथियारों के निर्यात को लेकर लगाए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का दोनों देशों ने उल्लंघन किया है।रूस ने आरोपों को निराधार बताया और उत्तरी कोरिया ने ''किसी के कथित 'हथियार हस्तांतरण' पर चर्चा करने को अत्यंत निंदनीय कृत्य करार देते हुए बैठक को खारिज किया। 'कॉन्फ्लिक्ट आर्मामेंट रिसर्च' के कार्यकारी निदेशक जोना लेफ ने परिषद को दो

जनवरी को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर हमला करने वाली मिसाइल के अवशेषों के विस्तृत विश्लेषण का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि संगठन ने मिसाइल के रॉकेट मोटर, अन्य उपकरण और आठ देशों और क्षेत्रों की 26 कंपनियों द्वारा निर्मित लगभग 300 घटकों का दस्तावेजीकरण कर पता लगाया है कि मिसाइल या तो केएन–23 या केएन–24 हैं, जिनका निर्माण उत्तरी कोरिया में किया गया।

ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम के रुझान में पेजेशकियन और जलीली के बीच कड़ी टक्कर

चौनल ने बताया कि एक करोड़ 20 लाख मतों की गिनती के बाद पेजेशकियन को 53 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 48 लाख वोट मिले हैं। संसद के कट्टरपंथी स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ को 16 लाख वोट मिले। शिया धर्मगुरु मुस्तफा पूरमोहम्मदी को करीब 95,000 वोट मिले हैं।दुबई। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम के रुझानों में सुधारवादी उम्मीदवार मसूद पेजेशकियन और कट्टरपंथी प्रत्याशी सईद जलीली के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। ईरान के सरकारी टेलीविजन चौनल द्वारा प्रसारित प्रारंभिक परिणामों में दोनों में से किसी भी उम्मीदवार को चुनाव में सीधे जीत हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखाया गया, जिससे चुनाव परिणामों में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाले उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना नजर आ रही है।चौनल ने बताया कि

एक करोड़ 20 लाख मतों की गिनती के बाद पेजेशकियन को 53 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 48 लाख वोट मिले हैं। संसद के कट्टरपंथी स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ को 16 लाख वोट मिले। शिया धर्मगुरु मुस्तफा पूरमोहम्मदी को करीब 95,000 वोट मिले हैं। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मई में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मृत्यु हो गई थी, जिस कारण देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराया गया। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है, जब इजराइल–हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक स्तर पर तनाव है और ईरान पिछले कई वर्षों से आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ईरानी कानून के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक मत हासिल करने पर ही कोई उम्मीदवार विजेता घोषित किया जा सकता हैं और यदि ऐसा नहीं होता है, तो शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होगा। ईरान के राष्ट्रपति पद के चुनावी इतिहास में केवल एक बार 2005 में ऐसा हुआ है जब कट्टरपंथी महमूद अहमदीनेजाद ने पूर्व राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी को हराया था।

मिशेल ओबामा लेंगी बाइडेन की जगह! अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में क्या होगा बड़ा उलटफेर

रिपब्लिकन अमेरिकी सांसद टेड क्रूज ने कहा कि निराशाजनक प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट अब बाइडेन को ष्डंपष करने जा रहे हैं और पूर्व प्रथम महिला बराक ओबामा को अपने उम्मीदवार के रूप में नामित करेंगे। उन्होंने कहा कि नौ महीने पहले, फैसले पर मैंने भविष्यवाणी की थी कि डेमोक्रेट्स बाइडेन की जगह मिशेल ओबामा को ले लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ राष्ट्रपति पद की बहस में अस्थिर प्रदर्शन के कारण डेमोक्रेट्स के बीच सुगबुगाहट तेज हो गई है। उन्हें पद से हटने के लिए कहे जाने की चर्चा भी शुरू हो गी है। एक अमेरिकी राजनेता ने यह कहकर एक साहसिक भविष्यवाणी की है कि 81 वर्षीय डेमोक्रेट करेंगे उनकी जगह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा लेंगी। रिपब्लिकन अमेरिकी सांसद टेड क्रूज ने कहा कि निराशाजनक प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट अब बाइडेन को ष्डंपष करने जा रहे हैं और पूर्व प्रथम महिला बराक ओबामा

को अपने उम्मीदवार के रूप में नामित करेंगे। उन्होंने कहा कि नौ महीने पहले, फैसले पर मैंने भविष्यवाणी की थी कि डेमोक्रेट्स बाइडेन की जगह मिशेल ओबामा को ले लेंगे। मुझे लगता है कि ऐसा होने जा रहा है। इस साल की शुरुआत में कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि बिडेन की उम्र को लेकर बढ़ती चिंताओं और कई सार्वजनिक गलतियों के कारण उनकी जगह किसी अन्य उम्मीदवार को लाया जाएगा, जिससे उनकी मानसिक तीक्ष्णता पर संदेह पैदा हो गया है। मिशेल ओबामा को राजनीति में अपनी किस्मत आजमाने और राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए कई बार बुलाया गया था। हालाँकि, उसने लड़ाई में कोई दिलचस्पी होने से इनकार किया। बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की बहस में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अपने प्रशासन के कदमों और नीतिगत पहलों की वकालत करते समय वह लड़खड़ा गए और ऐसा प्रतीत हुआ कि कुछ बिंदुओं पर उनकी विचारशक्ति भटक गई थी। हालांकि उनके सहयोगियों ने दावा किया कि यह सर्दी का नतीजा है, लेकिन बहस के दौरान ट्रंप ने इस पर कटाक्ष किया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

राष्ट्रपति के प्रदर्शन ने यह चिंता बढ़ा दी है कि वह अगले चार साल के कार्यकाल के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं और कुछ डेमोक्रेट अब उन्हें अपने उम्मीदवार के रूप में बदलने पर भी विचार कर रहे हैं। 90 मिनट की बहस के दौरान स्पष्ट रूप से संवाद करने में उनकी असमर्थता के कारण पूरे अमेरिकी राजनीतिक स्पेक्ट्रम से, विशेष रूप से डेमोक्रेट के बीच, कड़ी आलोचना हुई।

अश्वेतों' और 'लातिन अमेरिकियों' की नौकरियां छीन रहे हैं प्रवासी

ट्रंप ने कोई सबूत पेश किए बिना कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चाहते हैं कि मतदाता के रूप में प्रवासी अमेरिकियों की जगह ले लें। उन्होंने 'सीएनएन' पर प्रसारित बहस में कहा, ''सच्चाई यह है कि वह (बाइडन) अश्वेत लोगों पर सबसे बड़ा प्रहार उन लाखों लोगों के जरिए कर रहे हैं जिन्हें उन्होंने सीमा पार से आने की अनुमति दी है।वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बहस और शुक्रवार को एक रैली के दौरान दावा किया कि प्रवासी अमेरिका में अश्वेतों और लातिन अमेरिकियों की नौकरियां छीन रहे हैं। ट्रंप के इस बयान की उनके आलोचकों ने कड़ी निंदा की और कहा कि वोट बैंक का दायरा बढ़ाने की उनकी यह नस्लवादी और अपमानजनक कोशिश है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव की प्रक्रिया के तहत ट्रंप और बाइडन के बीच बृहस्पतिवार को करीब 90 मिनट तक जोरदार बहस हुई थी। ट्रंप ने कोई सबूत पेश किए बिना कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चाहते हैं कि मतदाता के रूप में प्रवासी अमेरिकियों की जगह ले लें। उन्होंने 'सीएनएन' पर प्रसारित बहस में कहा, ''सच्चाई यह है कि वह (बाइडन) अश्वेत लोगों पर सबसे बड़ा प्रहार उन लाखों लोगों के जरिए कर रहे हैं जिन्हें उन्होंने सीमा पार से आने की अनुमति दी है। वे अब अश्वेतों की नौकरियां ले रहे हैं। वे लातिन अमेरिकियों की नौकरियां ले रहे हैं। आपको अभी यह समझ नहीं हा रहा लेकिन आप हमारे इतिहास की सबसे खराब चीज होती देखेंगे।'' ट्रंप और उनके सहयोगियों का मानना ध्ध्है कि इस तरह की बयानबाजी बाइडन के कामकाज से असंतुष्ट अश्वेतों और लातिन अमेरिकी समुदाय

तक पूर्व राष्ट्रपति की पहुंच बढ़ाएगी। ट्रंप ने शुक्रवार को वर्जीनिया में एक रैली के दौरान फिर से ये टिप्पणियां कीं। डेमोक्रेटिक पार्टी और अश्वेत नेताओं ने ट्रंप के इस बयान की निंदा की। 'नेशनल असोसियेशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल' के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेरिक जॉनसन ने कहा, ''अश्वेतों के लिए नौकरी जैसी कोई चीज नहीं होती। यह गलत जानकारी अश्वेत प्रतिभा की सर्वव्यापकता को नकारती है। हम चिकित्सक, वकील, शिक्षक, पुलिस अधिकारी और अग्निशमन कर्मी हैं। यह सूची बहुत लंबी है।'' उन्होंने कहा, ''यह चिंताजनक है कि राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार ऐसा भेद पैदा करने की कोशिश कर रहा है जो मौजूद नहीं है, हालांकि ट्रंप का इस तरह की विभाजनकारी बात करना आश्चर्यजनक नहीं है।

क्या राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से बाइडेन को हटाया जा सकता है ? उनकी जगह कौन ले सकता है

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के सलाहकार रहे डेविड प्लाफे ने कहा, ये प्रत्याशी बदलने का कॉल है। श्जोआउटश कैंपेन छेड़ा है। हालांकि, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडेन का समर्थन किया है।पहली बार मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आमने–सामने हुए। लेकिन ये डिबेट बाइडेन के लिए फ्लॉप शो साबित हुई। डोनाल्ड ट्रम्प ने एकतरफा जीत हासिल की। नवंबर में चुनाव से पूर्व हुई इस डिबेट में बाइडेन के पांव उखड़ते देख उनकी पार्टी में ही टिकट बदलने की आवाज उठ रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेता किसी युवा को मैदान में उतारना चाहते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के सलाहकार रहे डेविड प्लाफे ने कहा, ये प्रत्याशी बदलने का कॉल है। श्जोआउटश कैंपेन छेड़ा है। हालांकि, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडेन का समर्थन किया है। बाइडेन की कमजोरियां हुईं उजागर, 30 मुद्दों पर झूठ बोल गए ट्रम्पबाइडेन के

सहयोगियों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति अपनी उम्र को लेकर बनी हुई चिंता को दूर करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर दिखाएंगे। इसके लिए डिबेट में कई बदलाव भी करवाए गए। उनका यह सपना टूट गया। बाहडेन और ट्रम्प ने हाथ तक नहीं मिलाया। उनकी बहस उनकी आपसी नाराजगी, गाली–गलौच और निजी हमलों पर ज्यादा फोकस रही। नीतियों को लेकर गंभीर चर्चा नहीं दिखी। ट्रम्प गलत तथ्यों का हवाला देते रहे। बाइडेन अपने फैसलों का बचाव करते दिखे। ट्रम्प प्रवासियों जैसे 30 अहम मुद्दों पर पूरे जोश से झूठ बोल गए।डिबेट में भारत का भी आया जिक्र

डिबेट में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भारत का जिक्र भी आया। बाइडेन ने इस पर अमेरिका की जिम्मेदारी की बात की। ट्रम्प ने कहा, अमेरिका अरबों खर्च कर चुका है। चीन–भारत जैसे देशों ने इसे लेकर कुछ नहीं किया।बाइडेन को हटने के लिए राजी करना होगाअपनी पार्टी की तीखी आलोचना के बावजूद भी बाइडेन की दावेदारी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक प्राथमिक प्रक्रिया में 99: प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल किया है। जिसका अर्थ है कि वह नामांकन के हकदार हैं। परिणामस्वरूप, किसी दूसरे उम्मीदवार के पास जाने का कोई भी निर्णय स्वयं बाइडेन से शुरू होता है। संविधान के 25वें संशोधन के तहत यदि राष्ट्रपति अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों का निर्वहन करने में असमर्थ है तो उनका निष्कासन उपराष्ट्रपति और उनके मंत्रिमंडल के बहुमत द्वारा ऐसी कार्रवाई की अनुमति देता है बाइडेन नहीं तो कौन?यदि बिडेन अगस्त के मध्य में डेमोक्रेटिक सम्मेलन से पहले दौड़ से हट जाते हैं, तो उनके प्रतिनिधि कार्यक्रम में एक नए उम्मीदवार के लिए मतदान कर सकते हैं। संभावित उम्मीदवारों में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम, मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर और पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो शामिल हैं। यदि सम्मेलन के बाद बिडेन दौड़ से हट जाते हैं तो डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के सदस्यों की एक विशेष बैठक नए उम्मीदवार पर फैसला करेगी। इस समिति में सभी अमेरिकी राज्यों और क्षेत्रों से लगभग 500 प्रमुख पार्टी सदस्य शामिल हैं।

पीओके छिनने के खौफ में पाकिस्तान ने उठाया कौन सा बड़ा कदम ? मुनीर की सेना का खूंखार दस्ता हुआ एक्टिव

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग भारत का हिस्सा बनने को तड़प रहे हैं। वो पाकिस्तान की गुलामी वाली जंजीर तोड़ने को बेताब हैं। इन्हीं हालात ने शहबाज शरीफ और मुनीर की टेंशन बढ़ा दी है।पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को लेकर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की घबराहट बढ़ती जा रही है। पाकिस्तान को यकीन हो चला है कि भारत कभी भी उससे कब्जे वाला कश्मीर छीन सकता है इसलिए उसने बड़ा कदम उठाते हुए कब्जे वाले कश्मीर में फ्रंटियर कांसटब्लिटी यानी अर्धसैनिक बलों की छह टुकड़ी तैनात करने का फैसला किया है। हालांकि इस तैनाती के पीछे पाकिस्तान की दलील यहां होने वाले विरोध प्रदर्शन हैं। लेकिन असर डर पीओके छिनने का है। दरअसल, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग भारत का हिस्सा बनने को तड़प रहे हैं। वो पाकिस्तान की गुलामी वाली जंजीर तोड़ने को बेताब हैं। इन्हीं हालात ने शहबाज शरीफ और मुनीर की टेंशन बढ़ा दी है।शहबाज और मुनीर को चिंता सताने लगी है कि कहीं पीओके हाथ से फिसल न जाए। इसलिए पीओके को लेकर पाकिस्तान ने बड़ा कदम उठाया है। पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में फ्रंटियर कांसटेबलरी यानी अर्धसैनिक बलों की तैनाती करेगा। ये फैसला पीओके के प्रधानमंत्री अनवारुल हक और गृह मंत्री मोहसिन नकवी की

मुलाकात के बाद किया गया। कहने को फ्रंटियर कांसटेबलरी अर्ध सैनिक बलों की टुकड़ी है लेकिन इसे पाकिस्तान की आर्मी का खूंखार दस्ता माना जाता है। ये पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठाने वालों से बेरहमी से निपटता है।मुद्रास्फीति और उच्च बिजली की कीमतों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने किया था और क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में व्यापारी इसमें सबसे आगे थे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विवादित क्षेत्र के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक की आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी से मुलाकात के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने मध्यम दूरी की मिसाइलों का उत्पादन फिर से शुरू करने का आह्वान किया

'इंटरमीडिएट रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज' नामक संधि पर सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव और अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में हस्ताक्षर किए थे और इसे हथियार नियंत्रण की दिशा में मील का पत्थर माना गया थामॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के साथ संधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को मध्यम दूरी की मिसाइलों का उत्पादन फिर से शुरू करने का आह्वान किया। 'इंटरमीडिएट रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज' नामक संधि पर सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव और अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में हस्ताक्षर किए थे और इसे हथियार नियंत्रण की दिशा में मील का पत्थर माना गया था। इस संधि के तहत 500 से 5,500 किलोमीटर (310–3,410 मील) की दूरी वाली जमीन से मार कर सकने वाली परमाणु एवं पारंपरिक मिसाइलों

पर प्रतिबंध लगाया गया था। अमेरिका ने आरोप लगाया था कि रूस ने इस संधि का उल्लंघन किया और वह 2019 में इस संधि से हट गया था। पुतिन ने रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, ''हमें इन मारक प्रणालियों का उत्पादन (फिर से) शुरू करना होगा और फिर वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्णय लेना होगा

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 30 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

रिजर्व डे के दिन भी हुई बारिश तो कौन बनेगा विजेता, जानिए क्या है अभी मौसम का हाल

मैच स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगा। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की बरसात हो सकती है। अभी मौसम साफ है। हालांकि, आ और जा रहे हैं। आईसीसी ने भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे सेमीफाइनल के लिए अतिरिक्त 250 मिनट आरक्षित किए थे और शनिवार को फाइनल के लिए अतिरिक्त 190 मिनट आवंटित किए हैं।भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार, 28 जून को बारबाडोस में प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। दोनों टीमें अपराजित रन के साथ फाइनल में पहुंची हैं। लेकिन केंसिंग्टन ओवल में एक बार फिर मुश्किल मौसम की स्थिति के बड़ी भूमिका निभाने की भविष्यवाणी की गई है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार ब्रिजटाउन में बारिश होने की 50 प्रतिशत संभावना है। जैसे–जैसे खेल आगे बढ़ेगा बारिश धीमी होने की संभावना है लेकिन आईसीसी ने पहले ही दर्शकों के लिए फाइनल के लिए खेल की स्थिति और नियमों की घोषणा कर दी है।मैच स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगा। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की बरसात हो सकती है। अभी मौसम साफ है। हालांकि, आ और जा रहे हैं। आईसीसी ने भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे सेमीफाइनल के लिए अतिरिक्त 250 मिनट आरक्षित किए थे और शनिवार को फाइनल के लिए अतिरिक्त 190 मिनट आवंटित किए हैं। गेम सुबह 10रू30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8रू00 बजे) शुरू होगा, इसलिए हम दोपहर 1रू40 बजे (भारतीय समयानुसार 11रू10 बजे) के कट–ऑफ समय की उम्मीद कर सकते हैं। डीएलएस पद्धति को लागू करने के लिए टीमों को कम से कम 10 ओवर खेलने की जरूरत है। आईसीसी ने फाइनल के लिए रिजर्व डे की भी घोषणा की है। खेल रविवार को तभी फिर से शुरू होगा जब शनिवार को कम से कम 10 ओवर का खेल संभव नहीं होगा। यदि खेल के दौरान बारिश खलल डालती है, तो टीमें रविवार को खेल फिर से शुरू करेंगी। खेल एक आरक्षित दिन पर सुबह 10रू30 बजे स्थानीय (8रू00 बजे भारतीय समयानुसार) फिर से शुरू होगा। रिजर्व डे पर पूरी तरह से बारिश रद्द होने की स्थिति में, दोनों टीमों को संयुक्त विजेता के रूप में सम्मानित किया जाएगा और वे टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी साझा करेंगी।

सिर्फ 1 साल में 3 आईसीसी फाइनल, एक सुखद अंत की हकदार है रोहित शर्मा–राहुल द्रविड़ की जोड़ी

भारत के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने कार्यकाल में अविश्वसनीय निरंतरता दिखाने के लिए राष्ट्रीय टीम की सराहना की। द्रविड़ के नेतृत्व में, भारत आईसीसी टूर्नामेंटों (टी20 विश्व कप 2024 सहित) में तीन फाइनल में पहुंचा है और खेल के तीनों प्रारूपों में शीर्ष टीम का दर्जा प्राप्त किया है।यह भारत के कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी दिन होगा। शनिवार, 29 जून को जब बारबाडोस में पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में एशियाई दिग्गज दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेंगे तो टी20ई क्रिकेट में भारत के कप्तान के रूप में यह शायद रोहित शर्मा का आखिरी दिन होगा। अरबों सपनों के साथ, सुपरहिट जोड़ी है एक सुखद अंत पर नजर। और यह एक का हकदार भी है! हालांकि, खेल में कोई भी किसी चीज का हकदार नहीं है। आपको उस दिन प्रदर्शन करके दिखाना होता है। फिर भी, यह उचित होगा यदि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के ताज के लिए भारत का 11 साल का इंतजार रोहित और द्रविड़ के नेतृत्व समूह द्वारा समाप्त हो जाए। 2021 में साथ आने के बाद रोहित और द्रविड़ उतार–चढ़ाव भरे दौर से गुजरे हैं, जिसने यकीनन भारतीय क्रिकेट को फलते–फूलते और ऊपर उठते देखा है। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने प्रक्रियाओं का अच्छा ध्यान रखा है, खासकर 2022 टी20 विश्व कप की हार के बाद। जब द्रविड़ ने 2021 में टीम के मुख्य कोच का पद संभाला, तो उन्हें एक मसीहा के रूप में देखा गया। यह उस युग के अंत का प्रतीक है जिसमें सफेद गेंद वाली टीम कमजोर दिखती थी और उसमें अजेयता की भावना नहीं थी जो कि सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड द्वारा संचालित टीम में होनी चाहिए थी। टी20 विश्व कप 2021 में जल्दी बाहर होने और 2019 सेमीफाइनल की हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय सफेद गेंद क्रिकेट को पाठ्यक्रम में सुधार की जरूरत है। विराट कोहली के कप्तानी से दूर होने के बाद राहुल और रोहित ने टीम में कई सुधार की कोशिश की। धीरे–धीरे यह रंग लाता हुआ भी दिखाई देने लगा। भारत के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने कार्यकाल में अविश्वसनीय निरंतरता दिखाने के लिए राष्ट्रीय टीम की सराहना की। द्रविड़ के नेतृत्व में, भारत आईसीसी टूर्नामेंटों (टी20 विश्व कप 2024 सहित) में तीन फाइनल में पहुंचा है और खेल के तीनों प्रारूपों में शीर्ष टीम का दर्जा प्राप्त किया है। बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल से पहले प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, द्रविड़ ने भारतीय पक्ष की सराहना की और अविश्वसनीय काम करने के लिए भारतीय क्रिकेटरों को श्रेय दिया। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट में बिना एक भी गेम हारे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में पहुंच गई है। प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन 2023 में उनके घरेलू विश्व कप के समान है। भारत फाइनल में प्रबल दावेदार के रूप में आया है, उसने शिखर मुकाबले से पहले बारबाडोस में एक मैच खेला था।

विश्व कप के खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए भारत को बेखौफ खेलते रहना होगा–गांगुली

सौरव गांगुली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को बेखौफ खेलकर 11 साल के खिताबी सूखे को खत्म करने की सलाह देते हुए कहा कि टीम को इस मुकाम तक लाने में रोहित शर्मा की कप्तानी का अहम योगदान रहा है।कोलकाता । पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को बेखौफ खेलकर 11 साल के खिताबी सूखे को खत्म करने की सलाह देते हुए शुक्रवार को कहा कि टीम को इस मुकाम तक लाने में रोहित शर्मा की कप्तानी का अहम योगदान रहा है। भारतीय टीम बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले जाने वाले मैच में जीत की दावेदार है। टीम के लिए 2013 की चौंपियंस ट्रॉफी के बाद वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगी।। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''मैं रोहित शर्मा के लिए बहुत खुश हूं। यही जीवन का चक्र है कि जो छह महीने पहले वह मुंबई इंडियंस का कप्तान भी नहीं थे अब उसकी अगुवाई में भारत विश्व कप के फाइनल में खेलेगा।''

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के इस पूर्व अध्यक्ष ने खुलासा किया कि विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद रोहित इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार नहीं थे। गांगुली ने कहा, ''रोहित दो विश्व कप फाइनल खेले हैं। यहां अब तक टीम का अभियान अजेय रहा है। यह उनकी नेतृत्व के गुणों को दर्शाता है। मुझे उनकी सफलता पर आश्चर्य नहीं है क्योंकि वह तब कप्तान बने जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था। उस समय विराट कोहली कप्तानी नहीं करना चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी लेने के लिए मनाने में बहुत समय लगा क्योंकि वह इसके लिए तैयार नहीं थे। उन्हें कप्तान बनाने में हम सभी को बहुत मेहनत करनी पड़ी और मैं उनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट की प्रगति को देखकर बहुत खुश हूं।'' गांगुली ने कहा कई बार आईपीएल खिताब जीतना बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि यह टूर्नामेंट काफी लंबा चलता है। गांगुल ने कहा, ''रोहित के नाम पांच आईपीएल खिताब जीतने का रिकॉर्ड है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। आईपीएल जीतना कभी–कभी अधिक कठिन होता है। मुझे गलत मत समझिए, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आईपीएल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बेहतर है।'' उन्होंने कहा, ''आपको आईपीएल जीतने के लिए 16–17 (12–13) मैच जीतने होते हैं। यहां आपको विश्व कप जीतने के लिए आठ – नौ मैच जीतने होंगे। विश्व कप जीतने पर अधिक सम्मान मिलता है और मुझे उम्मीद है कि रोहित कल ऐसा करेंगे।'' गांगुली ने कहा, '' मुझे नहीं लगता कि वह सात महीने के अंदर विश्व कप के दो फाइनल हारेंगे। अगर वह सात महीने में अपनी कप्तानी में दो फाइनल हार जाते हैं तो वह शायद बारबाडोस महासागर में कूद जाएंगे। उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, शानदार बल्लेबाजी की और मुझे उम्मीद है कि यह कल भी जारी रहेगा। आशा है कि भारत खिताब के साथ अभियान खत्म करेगा। टीम को बेखौफ होकर खेलना चाहिये।'' गांगुली ने इस मौके पर कहा कि विश्व कप के फाइनल में पहली बार पहुंचना दक्षिण अफ्रीका के लिए बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, '' यह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा क्षण है। एक ऐसी टीम की कल्पना करें जो 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस आई और उसे विश्व कप फाइनल खेलने में 32 साल लग गए। इसलिए, यह दोनों टीमों के लिए एक बड़ा मौका होने वाला है।'' स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस विश्व कप में सलामी बल्लेबाज के तौर प्रभावी प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन गांगुली की मानना है कि उन्हें यह जारी रखना चाहिये। होगा। कोहली, (सचिन) तेंदुलकर, (राहुल) द्रविड़ जैसे लोग भारतीय क्रिकेट के लिए संस्थान हैं। तीन–चार मैच उन्हें कमजोर खिलाड़ी नहीं बनाते। कल फाइनल में वह कमाल कर सकते हैं।'' गांगुली ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के उस बयान को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आईसीसी पर स्पिनरों की मददगार पिच तैयार कर भारतीय टीम का समर्थन करने का आरोप लगाया था। वॉन ने यह भी कहा था कि भारतीय दर्शकों को ध्यान में रख कर मैचों को सुबह खेला जा रहे जिससे भारतीय टीम को ज्यादा फायदा हो रहा। गांगुली ने कहा, ''माइकल वॉन मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। मुझे नहीं पता कि आईसीसी शाम को आठ बजे प्रसारण रखकर भारत को क्रिकेट मैच जीतने में कैसे मदद करता है। मैं नहीं जानता कि प्रसारण आपको क्रिकेट मैच कैसे जीता जा सकता है। आपको मैदान पर खेलना और जीतना होता है।'' उन्होंने कहा, '' गयाना (इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच का स्थल) से पहले भी इस टीम ने हर स्थल और पूरी दुनिया भर के मैदानों पर जीत दर्ज की है।

मेरे जीवन की सबसे अनमोल धरोहर,शेफाली वर्मा ने अपनी रिकार्ड तोड़ पारी पर कहा

रिकॉर्ड 205 रन बनाने वाली शेफाली वर्मा ने इस पारी को अपने जीवन की अनमोल धरोहर बताया है। बीस साल की शेफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर आस्ट्रेलिया की अन्नाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। चेन्नई । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में रिकॉर्ड 205 रन बनाने वाली शेफाली वर्मा ने इस पारी को अपने जीवन की अनमोल धरोहर बताया है। बीस साल की शेफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर आस्ट्रेलिया की अन्नाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। शेफाली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," मेरे लिये यह खास पल है और अब ताउम्र यह अनमोल धरोहर रहेगी। यह अंडर 19 विश्व कप खिताब के बाद मेरी दूसरी सबसे पसंदीदा पारी है।" उन्होंने कहा ," दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में अच्छी शुरूआत को मैं बड़ी पारियों में नहीं बदल सकी लेकिन आज मैने शुरू ही से अपना समय लेकर खेला। अपनी ताकत पर भरोसा रखा और ईश्वर की कृपा से यह पारी खेल सकी। यह मेरी कड़ी मेहनत का फल है और मुझे टीम के लिये योगदान देने की खुशी है।" इंग्लैंड के खिलाफ तीन साल पहले 96 रन बनाने वाली शेफाली ने स्वीकार किया कि 90 पार करने के बाद वह नर्वस हो रही थी। उन्होंने कहा ," 96 रन पर आउट होना कौन भूल सकता है। मुझे भी याद था। मैं बस वो चार रन बनाने के बारे में सोच रही थी। 200 रन के करीब पहुंचकर भी ऐसा ही लगा।" शेफाली ने इस प्रदर्शन का श्रेय बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजों के शिविर को भी दिया। उन्होंने कहा ," मैने शिविर में लाल और सफेद दोनों गेंदों से काफी अभ्यास किया जिससे मदद मिली। शिविर में सारे बल्लेबाज थे और हमने इसका पूर

टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल के लिए अंपायर्स के नामों की घोषणा, देखें लिस्ट

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 29 जून शनिवार को खेला जाएगा। वहीं इस मुकाबले के लिए अंपायर्स के नामों की घोषणा हो गई है, जहां भारत के लिए एक अच्छी खबर भी है। दरअसल, रिचर्ड केटलबोरो का नाम फील्ड अंपायर के तौर पर नहीं है। फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी इस बार क्रिस गैफनी और रिचर्ड इलिंगवर्थन के पास होगी।टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 29 जून शनिवार को खेला जाएगा। वहीं इस मुकाबले के लिए अंपायर्स के नामों की घोषणा हो गई है, जहां भारत के लिए एक अच्छी खबर भी है। दरअसल, रिचर्ड केटलबोरो का नाम फील्ड अंपायर के तौर पर नहीं है। फील्ड अंपायर की जिम्मेदारी इस बार क्रिस गैफनी और रिचर्ड इलिंगवर्थन के पास होगी। जबकि रिचर्ड केटलबोरो, टीवी अंपायर की भूमिका निभाएंगे। साथ ही रोडनी टकर चौथे अंपायर होंगे। रिचर्ड केटलबोरो ने की अंपायरिंग तो भारत की हार बता दें कि, आईसीसी नॉकआउट मैचों में जब–जब रिचर्ड केटलबोरो ने अंपायरिंग की है, तो भारत को हार मिली है। ऐसा एक या दो बार नहीं बल्कि 6 बार हुआ है। ऐसे में तमाम भारतीय फैंस आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों से पहले यही दुआ कर रहे थे कि रिचर्ड फील्ड अंपायर की भूमिका में नजर न आएं। साल 2014 से रिचर्ड केटलबोरो कई आईसीसी नॉकआउट मैचों में अंपायर रहे, जिसमें दूसरी टीम भारत थी। इससे भारत को 2014 का टी20 वर्ल्ड कप, 2015 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2016 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2017 चौंपियंस ट्रॉफी

दिनभर बना रहता है सिरदर्द या गर्दन में रहती है ऐंठन, तो ये हो सकते हैं सर्वाइकल पेन के शुरूआती संकेत ? जानें इलाज

आजकल ज्यादातर लोग दिनभर फोन या लैपटॉप में बिजी रहते हैं. ऑफिस में 8 से 10 घंटे तक लगातार बैठकर काम करने के बाद घर पहुंचने पर भी चौन से नहीं बैठते हैं. गलत पोस्चर में घंटों–घंटों मोबाइल चलाते रहते हैं. यही कारण है कि 10 में से करीब 5–6 लोगों की गर्दन में अकड़न, दर्द और सर्वाइकल के दर्द की समस्या हो रही है. इस बीच कई लोग ऐसे होते हैं, जिनका यह दर्द सर्वाइकल की समस्या बन जाता है.अगर इस समस्या का इलाज सही समय पर न किया जाए खतरनाक भी हो सकता है. हालांकि, इस दर्द से पहले शरीर में कुछ संकेत भी नजर आते हैं, अगर उन्हें समझ लिया जाए तो इससे बचा भी जा सकता है. आइए जानते हैं सर्वाइकल पेन का कारण, लक्षण और इलाज...सर्वाइकल पेन क्यों होता हैसर्वाइकल का दर्द ज्यादातर गलत सोने और बैठने की वजह से होता है. सिर पर भारी वजन उठाने, एक ही पोजिशन में लंबे समय तक बने रहने से सर्वाइकल का दर्द हो सकता है. उम्र बढ़ने के साथ–साथ सर्वाइकल का दर्द भी बढ़ सकता है. इसके अलावा भी सर्वाइकल पेन के कुछ कारण हैं. जिनमें ऊंचा या बड़ा तकिया लगाना, गर्दन काफी देर तक झुकाए रखना, हैवी वेट का हेलमेट लगाने से भी सर्वाइकल का दर्द हो सकता है.सर्वाइकल पेन के शुरुआती संकेत

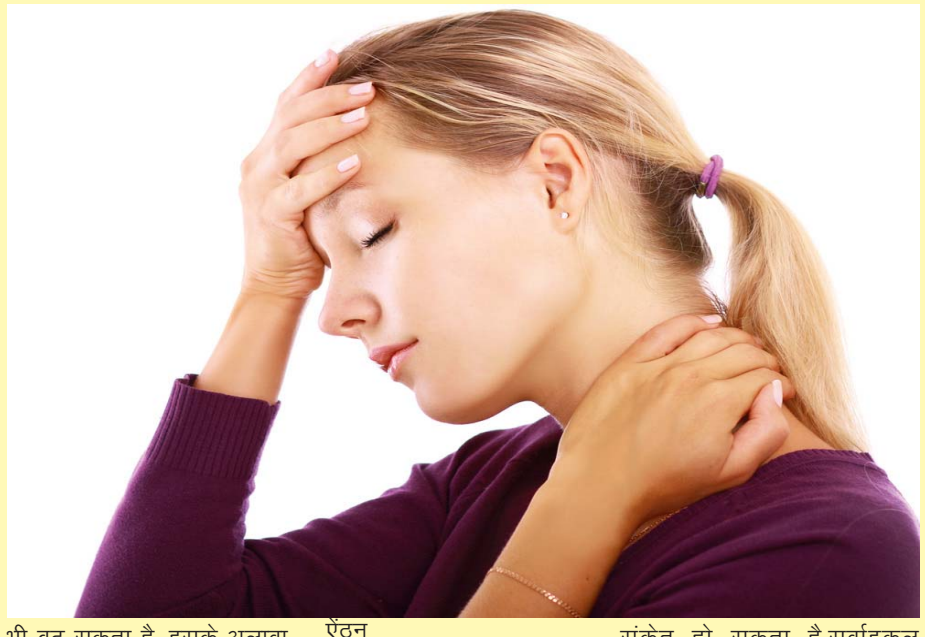

सिर दर्दगर्दन हिलाने पर अजीब सी आवाज आनाहाथ–पैरों में कमजोरी लगना, चलने में परेशानी होनागर्दन और कंधों में ऐंठन

हाथों और उंगलियों में कमजोरी लगनासर्वाइकल पेन कहां–कहां होता हैसर्वाइकल का दर्द गर्दन के ऊपरी हिस्से से शुरू होकर कमर के नीचे तक हो सकता है. इसमें ऐंठन की दिक्कतें भी होती है. अगर लैपटॉप पर काम करते समय गर्दन घुमाने में परेशानी हो रही है तो ये सर्वाइकल पेन का शुरुआती संकेत हो सकता है.सर्वाइकल पेन का इलाज लंबे टाइम तक एक ही पोजीशन में बैठने से बचें.

काम के बीच में ब्रेक लेना न भूलें, थोड़ी–थोड़ी देर में टहलें. सर्वाइकल पेन में बर्फ से सिंकाई करें या गर्म पट्टी यूज करें. फिजिकल थेरेपी की लें, मसाज करवाएं.गर्दन से जुड़े योग और एक्सरसाइज करेंज्यादा दर्द होने पर अच्छे डॉक्टर से जाकर मिलें.

रोज एक अनार खाने से शरीर में होने लगेंगे ये बदलाव, हफ्तेभर में दिखने लगेगा जादू

अनार मार्केट में मिलने वाला महंगा फल है और इसका जूस भी काफी महंगा होता है. अधिकतर लोग जूस के नाम पर संतरा या मौसमी का जूस पीते हैं, लेकिन अनार का जूस भी लोगों के बीच काफी ज्यादा मशहूर है. इसे लोग अक्सर सेहत से जुड़ी दिक्कत दूर करने के लिए ही पीते हैं. कमजोरी या खून की कमी के दौरान अक्सर अनार का जूस पीने की सलाह दी जाती है.

अनार के बीज ही क्यों खाए जाते हैं?

अनार पुनिका ग्रेनेटम पेड़ का फल है. यह फल कड़वा होता है, इसलिए सिर्फ इसके बीज ही खाए जाते हैं. एक अनार में लगभग 30 मिलीग्राम विटामिन सी होता है, जो एक दिन के लिए पर्याप्त विटामिन सी से 40 प्रतिशत ज्यादा है. अनार का जूस लोग शरीर की सूजन कम करने के पीते हैं. दिल को हेल्दी रखने के लिए भी अनार का जूस पिया जाता है. कहते हैं कि अनार के दानों को खाने और इसका जूस पीने से खून बढ़ता है.

अनार का जूस पीने के फायदे

अनार और अनार के जूस पर रिसर्च होती रहती हैं. रिसर्च में जो बात अक्सर सामने आती है, वह यह है कि इससे दिल से जुड़ी बीमारी, शरीर की सूजन, किसी भी तरह का इंफेक्शन, दांत की बीमारी, हार्ट हेल्थ सभी ठीक रहते हैं.

अनार का जूस बीपी को कंट्रोल में रखता है. 8 सप्ताह तक अगर आप लगातार अनार का जूस पिएंगे तो इससे हाई बीपी की बीमारी में काफी ज्यादा फायदा मिलता है.

अनार का जूस प्रतिदिन 10 चम्मच पीने से सिस्टोलिक रक्तचाप कम होता है, लेकिन अनार का जूस काफी ज्यादा पीने से कोई खास प्रभाव नहीं दिखता. हालांकि, यह हाई बीपी काफी तेजी से कंट्रोल करता है.

पेट के लिए होता है बहुत अच्छा

अगर आप रोजाना अनार खाते हैं तो यह पेट के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है. अनार में भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोबायोटिक्स होते हैं, जिसके कारण इसे खाने से अनार हेल्दी गट माइक्रोबायोम के प्रोडक्शन को बढ़ाता है.

दिमाग के लिए होता है अच्छा

अनार में एंटीऑक्सिडेंट कंपाउंड होते हैं, जो नर्वस सिस्टम को डैमेज होने से बचाते हैं. यह कॉग्नेटिव फंक्शन को बढ़ाता है और याददाश्त को भी मजबूत करता है. अनार खाने से कई फायदे मिलते हैं.

अनारा में पाया जाता है प्यूनिकैलागिन्स

अनार में एक खास तरह का प्यूनिकैलागिन्स पाया जाता है, जिसमें हाई एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं. यह शरीर में होने वाली

कल्कि 2898 एडी की ओपनिंग डे की आफिशियल कमाई का एलान, प्रभास की फिल्म ने कमाए 191.5 करोड़

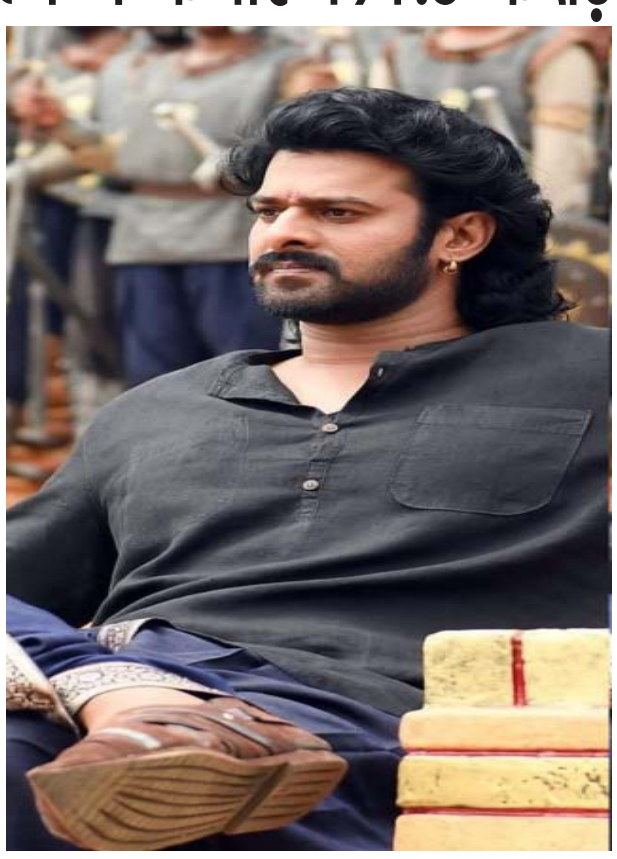

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी का दुनियाभर में शोर है. प्रभास के फैंस के लिए कल्कि 2898 एडी एक फिल्म से ज्यादा उनके लिए एक सिनेमाई त्योहार है. प्रभास के फैंस फिल्म कल्कि 2898 एडी का लंबे अरसे से इंतजार कर रहे थे. कई बार रिलीज डेट टलने के बाद कल्कि 2898 एडी आखिरकार बीती 27 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हो गई है. अब कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कितने झंडे गाड़े हैं, मेकर्स ने इसका खुलासा कर दिया है.कल्कि 2898 एडी के मेकर्स वैजयंती मूवीज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आज 28 जून की दोपहर 3 बजे फिल्म कल्कि 2898 एडी की कमाई का ऑफिशियल आंकड़ा जारी कर दिया है. कल्कि 2898 एडी के मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर ग्रॉस 191.5 करोड़ का कलेक्शन किया है. कल्कि 2898 एडी की ऑफिशियल कमाई के एलान वाले पोस्ट में मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, आओ सिनेमा को सेलिब्रेट करें. इस बात से यह जाहिर हो गया है कि कल्कि 2898 एडी के डे 1 कलेक्शन से मेकर्स खुश हैं और उन्हें इस बात का कोई दुख नहीं हैं कि फिल्म कल्कि 2898 एडी आरआरआर (223 करोड़) और बाहुबली 2 (214.5 करोड़) के ओपनिंग कलेक्शन को तोड़ नहीं पाई. लेकिन आपको बता दें कि कल्कि 2898 एडी ने इन दो फिल्मों के अलावा इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सभी फिल्में (हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़) की ओपनिंग डे की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इसमें साउथ सिनेमा से केजीएफ 2, सुपरस्टार विजय की लियो, रजनीकांत स्टारर जेलर, सालार, आदिपुरुष और हिंदी से जवान, पठान, एनिमल और गदर 2 शामिल हैं. अब फिल्म कल्कि 2898 एडी आज 28 जून को अपने दूसरे दिन में चल रही है और फिल्म ट्रेड एनालिस्ट की नजर कल्कि 2898 एडी के वीकेंड कलेक्शन पर है, जोकि तकरीबन 500 करोड़ आंका जा रहा है.

दिलजीत दोसांझ की जट्ट एंड जूलियट 3 पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई वाली दूसरी पंजाबी फिल्म बनी

दिलजीत दोसांझ इन दिनों पंजाबी फिल्म जट्ट एंड जूलियट 3 को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म साल 2012 में आई फिल्म जट्ट एंड जूलियट की तीसरी किस्त है।इस फिल्म ने बीते गुरुवार (27 जून) प्रभास की बहुचर्चित फिल्म कल्कि 2898 एडी के साथ सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया है और इसे समीक्षकों के साथ दर्शकों की ओर से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।पहले दिन ही जट्ट एंड जूलियट 3 ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, जट्ट एंड जूलियट 3 ने पहले दिन 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।इसी के साथ यह फिल्म भारत में दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली पंजाबी फिल्म बन गई है।देश में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई वाली पंजाबी फिल्म का रिकॉर्ड गिप्पी ग्रेवाल की कैरी ऑन जट्टा 3 के नाम है, जिसने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 4.55 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी। जट्ट एंड जूलियट 3 में दिलजीत की जोड़ी फिर से नीरू बाजवा के साथ बनी है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनुराग सिंह ने संभाली है। पिछली दोनों फिल्मों का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था।2012 में आई जट्ट एंड जूलियट पर दर्शकों ने काफी प्यार लुटाया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की सफलता के बाद 2013 में इसका सीक्वल आया था।अब 11 साल बाद इस फिल्म की तीसरी किस्त दर्शकों का मनोरंजन कर रही है।

साजिद नाडियाडवाला ने दिखाई सिकंदर की पहली झलक, पोस्टर में दिखी सलमान खान की आईकानिक ब्रेसलेट

सलमान खान स्टारर फिल्म शसिकंदरद्य ऐलान के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है. ऐसे में फिल्म के मेकर्स भी हर दिन किसी ना किसी दिलचस्प अपडेट से दर्शकों की एक्साइटमेंट को बढ़ा रहे हैं. इसी बीच मेकर्स ने अब फिल्म के सेट से एक खास पोस्टर शेयर किया है. जिसे देखकर फैंस में सलमान खान के नए लुक को देखने की बेकरारी और बढ़ गई है.हाल ही में साजिद नाडियाडवाला ने शसिकंदरद्य की एक झलक से पर्दा उठाया है, जिसमें सलमान खान के आईकॉनिक ब्रेसलेट के साथ फिल्म का पोस्टर भी देखा जा सकता है. इससे सलमान खान के लुक को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है. जो उन्हें सिकंदर के रूप में देखने के लिए बेसब्र हैं. इसके अलावा, फिल्म मेकर्स ने हाल ही में एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग शुरू होने की एक और झलक सेट से शेर की है और अब ये झलक 2025 पर बहुत बड़ा एंटरटेनमेंट देने की कमिटमेंट करते हुए नजर आ रही है. नाडियाडवाला ग्रैंडसन द्वारा प्रोड्यूस शसिकंदरद्य को एआर मुरुगडोस डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, इसमें सलमान खान और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में हैं. ये एक्शन एंटरटेनर ईद 2025 वीकेंड के दौरान रिलीज होने वाली है. पहली बार सलमान और रश्मिका को देखने के लिए हर कोई एक्साइटिड है.नाडियाडवाला ग्रैंडसन द्वारा प्रोड्यूस शसिकंदरद्य को एआर मुरुगडोस डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, इसमें सलमान खान और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में हैं. ये एक्शन एंटरटेनर ईद 2025 वीकेंड के दौरान रिलीज होने वाली है. पहली बार सलमान और रश्मिका को देखने के लिए हर कोई एक्साइटिड है.

सूर्या और बाबी देओल की मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

साउथ सुपरस्टार सूर्या की मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट का इंतजार फैंस को था. अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर बड़ा खुलासा कर दिया है. इस फिल्म में बॉबी देओल का खूंखार रूप देखने को मिलेगा जिसका बॉबी के फैंस को भी इंतजार था. साउथ की बड़ी फिल्मों में एक कंगुवा भी है और अब मेकर्स इसकी रिलीज डेट एक फेस्टिवल में रखे हैं.

सूर्या की फैन फॉलोविंग साउथ के अलावा हिंदी दर्शकों में भी खूब है. फिल्म कंगुवा में बॉबी देओल भी विलेन के रूप में नजर आएंगे इसलिए इस फिल्म का इंतजार पहले से था. अब जबकि फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है तो इसे भी जान लेना चाहिए.स्टूडियो ग्रीन 2 के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट का ऐलान किया है. इसी प्रोडक्शन में फिल्म का निर्माण हुआ है. इस फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा गया, वीर योद्धा का स्वागत करने के लिए तैयार हो जाओ....हमारा कंगुवा 10 अक्टूबर 2024 दशहरा पर आ रहा है. फिल्म कंगुवा 10 अक्टूबर 2024 को वर्ल्डवाइड थिएटर्स में रिलीज होगी. इसी दिन

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा भी सिनेमाघरों में आ रही है. इन दोनों फिल्मों का क्लैश एक ही दिन होना है, हालांकि दोनों फिल्मों का थीम अलग है. साउथ डायरेक्टर सिवा के निर्देशन में फिल्म कंगुवा को बनाया जा रहा है. फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये बताया गया है. फिल्म में लीड एक्टर सूर्या हैं, लीड विलेन बॉबी देओल हैं और लीड एक्ट्रेस दिशा पटानी हैं. इनके अलावा इस फिल्म में आरश शाह, रेडिन किंगस्ले, योगी बाबू, नटरंजन सुब्रमण्यम, कोवाई सरला, रवि रघुवेंद्र और जगपति बाबू जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे.।

मुंज्या ने दुनियाभर में कमाए 111.80 करोड़ रुपये, लाखों में सिमटा दैनिक कारोबार

हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर फिल्म मुंज्या को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 21 दिन पूरे हो गए हैं और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की यह फिल्म शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।मुंज्या ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 90 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।अब कल्कि 2898 एडी के दस्तक देते ही इस फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई है।

फिल्म की कमाई की बात करें तो श्मुंज्याद्य ने पहले दिन 4 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद पहले हफ्ते में फिल्म ने 35. 3 करोड़ का कारोबार किया. दूसरे हफ्ते में श्मुंज्याद्य ने 32.65 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं फिल्म ने रिलीज के तीसरे हफ्ते के थर्ड फ्राइडे में 3 करोड़, तीसरे शनिवार 5.5 करोड़, तीसरे रविवार 6.85 करोड़, तीसरे मंडे 2.25 करोड़, तीसरे मंगलवार 2.25 करोड़ और तीसरे बुधवार भी 2.25 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के तीसरे गुरुवार यानी 21वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्मुंज्याद्य ने रिलीज के 21वें दिन 75 लाख का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्मुंज्याद्य ने रिलीज के 21 दिनों में 90.80 करोड़ की कमाई कर ली है. मुंज्या ने दुनियाभर में 111.80 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस फिल्म में मोना सिंह, शरवरी वाघ और अभय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

शालिनी पांडे ने कैजुअल चिक फैशन से किया फैन्स को इंप्रेस

शालिनी पांडे एक प्रतिभाशाली भारतीय अभिनेत्री हैं जो तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में धमाल मचाती हैं. उन्होंने तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी में अपनी पहली फिल्म से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और तब से उन्होंने कई तमिल और तेलुगु फिल्मों से प्रभाव डाला है. रणवीर सिंह स्टारर उनकी हिंदी फिल्म श्जयेशभाई जोरदारद्य और नेटफ्लिक्स पर उनकी लेटेस्ट रिलीज श्महाराजद्य ने उन्हें शोहरत दिलाई. इसमें कोई दो राय नहीं है कि शालिनी की लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी उनके शानदार अभिनय और अच्छी भूमिकाएं चुनने की उनकी आदत के कारण हुई. हालांकि वो अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के अलावा अपने स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन गेम से लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही हैं.

उनके सोशल मीडिया पर एक नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है कि शालिनी के पास शैली की त्रुटिहीन समझ है. हालांकि वह किसी और की तरह ग्लैमरस लुक में नहीं रह सकती, लेकिन निश्चित रूप से उसके पास कैजुअल ठाठ फैशन के लिए एक नरम स्थान है. वह अक्सर सहजता से स्टाइलिश आउटफिट में देखी जाती हैं, जो कैजुअल लुक को कूल बनाते हैं. तो आइए शालिनी के कुछ बेहतरीन कैजुअल लुक्स पर गौर करें जो निश्चित रूप से आपके वार्डरोब को प्रेरित करेंगे.

शालिनी पांडे अपने शानदार लुक के साथ कुछ लोगों को स्टाइल के लिए प्रेरणा दे रही हैं. एक शानदार पोशाक में वह हरे रंग के ब्रालेट टॉप और काले शॉर्ट्स में नजर आ रही है, जो पूल के किनारे एक मजेदार दिन के लिए बिल्कुल उपयुक्त है. दूसरे में, वह एक बड़े आकार के काले क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक ब्रीफ में बेहद आकर्षक लग रही है. वहीं शालिनी ने डेनिम–ऑन–डेनिम पहनावे के साथ गर्मी बढ़ा दी है, जिसमें एक स्टाइलिश फुल–स्लीव डेनिम टॉप और मैचिंग फिगर–हगिंग बॉटम्स शामिल हैं. वह यह भी जानती हैं कि इसे कैजुअल और कूल कैसे रखा जाए, टाई–अप और डेनिम शॉर्ट्स के साथ कैजुअल ब्लू ब्रालेट टॉप में कूल दिखें.

हिमांशी खुराना ने तोड़ी चुप्पी, कहा- कोई नहीं जानता कि असली कारण.

बिग बॉस सीजन 13 की मशहूर सेलेब्रिटी जोड़ी हिमांशी खुराना और आसिम रियाज एक–दूसरे से बेहद प्यार करते थे। खैर, ब्रेकअप के बाद हिमांशी ने कहा कि वह आसिम से ब्रेकअप को लेकर काफी संवेदनशील हैं।बिग बॉस सीजन 13 की मशहूर सेलेब्रिटी जोड़ी हिमांशी खुराना और आसिम रियाज एक–दूसरे से बेहद प्यार करते थे। खैर, ब्रेकअप के बाद हिमांशी ने कहा कि वह आसिम से ब्रेकअप को लेकर काफी संवेदनशील हैं। बयान में यह भी कहा गया कि अभिनेत्री को इससे उबरने में समय लगेगा। खैर, 27 जून को पंजाबी स्टार ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है। हां, हिमांशी ने सभी से उनकी निजता का सम्मान करने का भी आग्रह किया और लोगों से कहा कि वे उनके करीबी सूत्र न बनें।हिमांशी खुराना ने कहा कि उनका सबसे बड़ा फ्लेक्स यह है कि कोई नहीं जानता कि उनकी जिंदगी में वास्तव में क्या चल रहा है। उन्होंने यहां तक घ्कहा कि वह कहां हैं या उनका अगला कदम क्या होगा, यह तब तक पता नहीं चलता जब तक वह खुद नहीं बतातीं। उन्होंने यहां तक घ्कहा कि कोई भी जो कुछ भी कहता है,

प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति में डाली चावला पहली बार नागिन बनेंगी

प्यार का पहला अध्यायरू शिव शक्ति दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। सीरियल में अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा शिव और शक्ति की भूमिका में हैं। दर्शक इनकी ऑन–स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं। इनके अलावा, शो में एक्ट्रेस डॉली चावला भी हैं, जो मोहिनी के किरदार में दिखाई दे रही हैं। सीरियल में डॉली नागिन की भूमिका निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने करियर में कई नेगेटिव किरदार निभाए हैं, लेकिन यह पहली बार है जब डॉली नागिन की भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा, मैं मोहिनी का किरदार निभा रही हूं, वह बदला लेने के लिए यहां आई है। नागिन की कहानियां आमतौर पर बदला लेने के बारे में होती हैं। कई साल पहले कुछ हुआ था, जिसे कहानी में फिर से जिंदा किया जा रहा है। मैं शिव से बदला लेने के लिए यहां आई हूं। आगे क्या होता है, यह जानने के लिए आपको शो देखना होगा। मुझे इस पर काम करने में बहुत मजा आ रहा है, क्योंकि यह बहुत दिलचस्प है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं कुछ दिन पहले ही इस सीरियल से जुड़ी हूं। इससे पहले से ही शो के बहुत सारे फैंस हैं। मुझे इसमें शामिल होकर अच्छा लगा और मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मैं लोगों से पॉजिटिव कमेंट्स सुनना चाहती हूं, उम्मीद है कि शो अच्छा चलेगा और लोग मुझे नागिन के रूप में पसंद करेंगे।

स्टूडियो एलएसडी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, डॉली ने कहा कि यह घर जैसा लगता है।

उन्होंने कहा, टीम में हर कोई बहुत अच्छा है। प्रतीक शर्मा, पार्थ, क्रिएटिव टीम और डायरेक्शन टीम कमाल की है। इस प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने से ऐसा लगता है कि कोई दबाव नहीं है और कोई तनाव नहीं है। टीम बहुत अच्छी है और एक्टर्स शानदार हैं।

उन्होंने बताया कि उन्हें लगता था कि पहले से ही ऑन–एयर हो चुके शो में शामिल होना थोड़ा तनाव भरा हो सकता है, लेकिन को–स्टार्स के सपोर्ट से सब आसान हो गया।

डॉली ने कहा, यहां मौजूद सभी कलाकार, जैसे अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा, बहुत प्यारे हैं और हमारे डायरेक्टर भी बहुत अच्छे हैं। उनके साथ दोबारा काम करना सुकून देता है।

प्रतीक शर्मा के स्टूडियो एलएसडी द्वारा निर्मित प्यार का पहला अध्यायरू शिव शक्ति जी टीवी पर प्रसारित होता है।

बाक्स आफिस पर चंदू चौंपियन की कमाई लाखों में सिमटी, कल्कि 2898 एडी से हो रहा सामना

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चौंपियन को ठीक दो सप्ताह पहले यानी 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन फिल्म में कार्तिक की अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है।अब प्रभास की कल्कि 2898 एडी के सिनेमाघरों में दस्तक देते ही चंदू चौंपियन की दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं फिल्म ने 14वें दिन कितने लाख रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चंदू चौंपियन ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार 49 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 55.24 करोड़ रुपये हो गया है।यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है।कबीर खान ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 30 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

नि:शुल्क रोजगार मेला 01 जुलाई को

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जिला सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मॉडल कैरियर सेन्टर, देवरिया के तत्वावधान में जिला सेवायोजन कार्यालय, जी०आई०टी०आई० कैम्पस में 01 जुलाई को को पूर्वाह्न 10 बजे से नि:शुल्क रोजगार मेला आयोजित किया गया है। मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी विजन इण्डिया प्रा०लि० के द्वारा हिन्डाल्कों एवं सुब्रोज लि० कम्पनी हेतु नैप्स ट्रेनी के पद पर कैम्पस चयन किया जाएगा। हिन्डाल्को हेतु आईटीआई फीटर, वेल्डर एवं इन्स्ट्रुमेन्टेशन ट्रेड के उत्तीर्ण पुरूष अभ्यर्थी एवं सुब्रोज हेतु आई०टी०आई० समस्त ट्रेड के पुरूष अभ्यर्थी पात्र हैं। दोनो हेतु आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गयी है। उपर्युक्त योग्यता एवं आयु वर्ग के इच्छुक पुरुष अभ्यर्थी rojgaarsangam-up-gov-in पर अपना पंजीकरण कर 01 जुलाई, 2024 को 10 बजे अपने रज्यूम (बायोडाटा) के साथ रोजगार मेला में भाग ले सकते है। चयनित अभ्यर्थियों का मासिक वेतन रू0–12500ध्– भर्ती कम्पनी द्वारा निर्धारित किया गया है। रोजगार मेला में सम्मिलित होने हेतु कोई मार्ग–व्यय देय नहीं होगा। विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी इस कार्यालय से सम्पर्क कर सकतें है। रोजगार मेला पूर्णतः नि:शुल्क है, प्रतिभाग करने या चयन होने एवं उसके उपरान्त भी किसी प्रकार की धनराशि देय नहीं है। यदि किसी के द्वारा धनराशि मांगी जाती है तो जिला सेवायोजन कार्यालय, देवरिया में सूचित करें।

यूपी बोर्ड–2024 की परीक्षा में प्रदेश एवं जनपद में टाप करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। शनिवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के परीक्षा में मेरिट लिस्ट में स्थान बनाने वाले छात्रों को सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन स्थित गांधी सभागार में किया गया। इस दौरान यूपी बोर्ड–2024 की परीक्षा में जनपद में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को रामपुर कारखाना विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास प्रत्यूष पाण्डेय ने सम्मानित किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामपुर कारखाना विधायक ने कहा कि ये इन बच्चों ने अपनी मेधा से जनपद का गौरव बढ़ाया है। सामान्य पृष्ठिभूमि से आने वाले सभी छात्रों ने अपने परिश्रम के बल पर उत्कृष्ट अंक प्राप्त किये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों की वजह से अब प्रतिभा को सम्मान मिलना शुरू हो गया है। परीक्षा नकलविहीन हो रही है। शिक्षा बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी टॉपर्स को अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने मेधावी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम एवं अनुशासन से बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। प्रतिभा सुविधा की मोहताज नहीं होती। ये सभी बच्चे भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने छात्रों को बड़े लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें। अपना लक्ष्य तय करें और नियमित रूप से अध्ययन करें। कठिन मेहनत से मुकाम हासिल किया जा सकता है। सभी मेधावी छात्र–छात्राओं को बधाई दी एवं उनके सुखद भविष्य की कामना की। हाईस्कूल परीक्षा 2024 में सम्मानित होने वाले टॉपरों में पलक शुक्ला, निवेदिता सिंह, सलोनी प्रजापति, दिलीप तिवारी, पल्लवी वर्मा, सिद्धि प्रजापति, अदिति कुशवाहा, अमृता यादव शामिल हैं। इण्टरमीडिएट परीक्षा में सम्मानित होने वाले टॉपरों में प्रशांत कुमार, अन्नू यादव, दुर्गा निषाद, प्रतीक, अभिनेश चौरसिया, मोनिका, रिया वर्मा, दिब्येन्द्र यादव शामिल हैं। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के टापरों को 21 हजार रुपये, एक टेबलेट, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया। राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट में स्थान बनाने वाली हाई स्कूल की छात्रा पल्लवी खरवार(छठवां स्थान) एवं शालिनी राव(दसवां स्थान) तथा इंटरमीडिएट की छात्रा फिजा खातून(आठवां स्थान) को एक–एक लाख रुपये, टेबलेट, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया। राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली इंटरमीडिएट की छात्रा सुजाता पाण्डेय राज्य स्तर पर सम्मानित होंगी।इस अवसर पर डीआईओएस वीरेंद्र प्रताप सिंह, डीपीओ कृष्णकांत राय सहित विभिन्न अधिकारी, गुरुजन एवं छात्रों के अभिभावक मौजूद थे।

एल्कोहलयुक्त औषधियों का नशीले पदार्थ के रूप में दुरूपयोग रोका जाए–डीएम

यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। शनिवार को जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित कार्यकक्ष में एनसीओआरडी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में मादक एवं नशीले पदार्थ के प्रयोग को रोकने के संबन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए । जिलाधिकारी ने कहा कि एल्कोहलयुक्त औषधि या टिंचर का दुरुपयोग नशीले पदार्थ के रूप में करने से रोका जाए। ऐसे दवाओं के विक्रय स्थल पर विशेष सतर्कता बरतते हुए ट्रेसिंग की जाए। यदि कहीं कोई प्रकरण या स्थल संज्ञान में आये तो विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।डीएम ने ड्रग इंस्पेक्टर रुद्रेश त्रिपाठी को मेडिकल स्टोर्स की जांच करने एवं पंजीकृत चिकित्सक के मेडिकल प्रिसक्रिप्शन पर ही दवा विक्रय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग दवाओं का प्रयोग नशे के लिए कॉम्बिनेशन ड्रग्स के रूप में कर रहे हैं। प्रत्येक मेडिकल स्टोर पर जन जागरूकता के संबंध में बैनर लगाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि नशे के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु मुख्यतः विद्यालयों एवं कॉलेजों में कार्यक्रम संचालित किया जाए। विद्यालयों में नशा मुक्ति शपथ हस्ताक्षर अभियान नुक्कड़ नाटक निबंध प्रतियोगिता कविता आदि आयोजित कर जागरूकता फैलाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री को रोकने के लिए पुलिस एवं आबकारी विभाग को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आबकारी एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से झुग्गी झोपड़ी एवं समस्त संवेदनशील स्थानों पर जागरूकता अभियान भी संचालित करें और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराये। उन्होंने कहा कि बीट आरक्षी, लेखपाल, कानूनगो, सचिव, रोजगार सेवक, आशा सहित ऐसे समस्त कार्मिक जो किसी न किसी रूप से फील्ड कार्य से जुड़े हैं वे यदि किसी व्यक्ति को नशे के गिरफ्त में देखें तो उसकी सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को दें। जिलाधिकारी ने निदान पोर्टल का उपयोग बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों विशेषकर अंतराज्यीय एवं अंतर्जनपदीय सीमा पर विशेष चौकसी बरती जाए। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में इंटेलिजेंस इनपुट बढाए जाए। इस दौरान सीएमओ डॉ राजेश झा, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ भीम कुमार गौतम, सीओ संजीव रेड्डी, जिला आबकारी अधिकारी, डीआईओएस वीके सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल सोनकर सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

मिलावटखोरों के विरुद्ध चलेगा अभियान–डीएम

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। शनिवार को जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने दुग्ध तथा दुग्ध पदार्थ के नमूनों की नियमित जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कुछ मिलावटखोर दूध में मेलामाइन तथा फॉर्मेल्डिहाइड जैसे कैमिकलों की मिलावट करते हैं जिससे किडनी फेलियोर एवं कैंसर जैसी बीमारी हो रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए, जिससे कि लोग स्वयं घर में मिलावटी दूध की पहचान कर सकें। जिलाधिकारी ने बताया कि पंजीकरण एवं अनुज्ञप्तियों का पंजीकरण अब 5 वर्ष के लिए होने लगा है। व्यापारियों को अब 5 वर्ष पश्चात इसका नवीनीकरण करना होगा। उन्होंने बताया कि इस संबन्ध में व्यापार मंडल की मांग पर गत वर्ष जिला प्रशासन ने शासन को पत्र लिखा था, जिसके क्रम में 1 जनवरी 2024 से उक्त व्यवस्था लागू हुई है। इस पहल के लिए व्यापार मंडल के अध्यक्ष शक्ति गुप्ता ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विनय सहाय ने बताया कि जनपद में मीट मछली की दुकानों के मानकीकरण की प्रक्रिया चल रही है। अभी तक साफ–सफाई काला शीशा तथा कियोस्क आधारित तीन दुकान विकसित कर ली गई हैं और चार प्रक्रियाधीन है। जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका परिषद देवरिया अंकिता शुक्ला को मीट–मछली के बिक्री के लिए एक अलग से काम्प्लेक्स बनाने की संभावना तलाशने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खुले में मीट मछली मुर्गा के विक्रय से कई लोगों को आपत्ति है। एकीकृत कंपलेक्स होने से लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा एफएसडब्लू वैन द्वारा जन सामान्य को जागरूक करने के लिए किए गए पहल के विषय में भी जानकारी प्रस्तुत की गई। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवेंद्र ने बताया कि जनपद का स्थानीय मसाला ब्रांड गोविंद मसाला एफएसएसएआई द्वारा प्रमाणित प्रयोगशाला से प्राप्त विश्लेषण रिपोर्ट में सभी मानकों पर सही पाया गया। इस मसाले में किसी भी प्रकार के हानिकारक पेस्टिसाइड या फंगीसाइड नहीं पाए गए। यह जनपद के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बैठक में मिठाई के डिब्बों का प्रकरण भी उठा। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि मिठाई विक्रेता डिब्बे और मिठाई के वजन को स्पष्ट करें, जिससे उपभोक्ताओं को उनके द्वारा दिए जा रहे मूल्य के बराबर उत्पादन मिल सके। बैठक में एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ भीम कुमार गौतम, डीआईओएस वीके सिंह, औषधि निरीक्षक रूद्रेश त्रिपाठी सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

युवती से छेड़खानी की रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही सराय अकिल पुलिस

चायल, कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में तीन सप्ताह पूर्व एक दबंग युवक ने युवती के साथ छेड़खानी कर दी। युवती ने परिजनों को मामले की जानकारी दी। परिजनों ने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। पुलिसिया कार्रवाई न होने से निराश होकर उन्होंने मुख्यमंत्री समेत क्षेत्राधिकारी से भी गुहार लगाई मगर अभी तक पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है।

सराय अकिल क्षेत्र के एक गांव का युवक मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है। उसके अनुसार 7 जून को उसकी पुत्री घर के बाहर बैठी थी।इसी दौरान गांव का एक युवक वहां पहुंचा और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर उसने युवती के साथ गाली–गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि अक्सर वह उसको देखकर अपशब्द बोलता रहता है।युवती ने परिजनों को मामले की जानकारी दी। उन्होंने थाने जाकर मामले की तहरीर दी थी। पुलिसिया कार्रवाई न होने से निराश होकर पीड़िता ने मुख्यमंत्री, एडीजी, पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी से न्याय की गुहार लगाई।आरोप है कि अधिकारियों के आदेश के बाद भी उसकी रिपोर्ट अभी तक दर्ज नहीं की गई।

उत्थान शंभूनाथ इंस्टीट्यूशन व अमेरिका शिक्षा और तकनीकी के क्षेत्र में मिलकर करेगें काम

चायल, कौशाम्बी। उत्थान शंभूनाथ इंस्टीट्यूशन में एडवांस अमेरिकन टेक्नोलॉजी से को–फाउंडर पॉल ब्रॉडबेक और को–फाउंडर प्रोफेसर डॉ. रावेन्द्र सिंह (रत्गेर्स यूनिवर्सिटी न्यूजर्सी यूएसए), सुरेन्द्र सिंह और एकता सिंह की टीम ने संस्थान के विभिन विभागों के लैब का भ्रमण किया। जिसमें इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल और कंप्यूटर साइंस मुख्य रूप से शामिल थे। दोनों संस्थानों के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडर स्टैंडिंग पर सिगनेचर हुआ। इस अवसर पर पर अध्यक्ष डॉ.धीरेंद्र कुमार ने स्मृति चिन्ह और शाल देकर एडवांस अमेरिकन टेक्नोलॉजी को–फाउंडर पॉल ब्रॉडबेक और को–फाउंडर प्रोफेसर डॉ. रावेन्द्र सिंह को सम्मानित किया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र कुमार एवं सचिव डॉ. कौशल कुमार तिवारी ने एडवांस अमेरिकन टेक्नोलॉजी के साथ भविष्य में मिलकर काम करने कि बात कही। डॉ. मलय तिवारी, डॉ.अन्शुमान श्रीवास्तव, प्रो.जेपी.मिश्रा ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ.सीबी झा, डॉ.नीरज शुक्ला, डॉ.सन्दर्भ शुक्ला, पंकज तिवारी, डॉ नीतिन द्विवेदी, प्रतीक कुमार सिंह, शिल्पी बनर्जी और शुचि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षो में चले लाठी डंडे

कड़ा, कौशाम्बी। कड़ाधाम थाना क्षेत्र के भानीपुर गाँव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षो में कहासुनी हो गयी। देखते ही देखते मामूली बहस मारपीट में बदल गयी और दोनों पक्षो से खूब लाठी डंडे व ईंट पत्थर चले।इस मारपीट में दोनों पक्षों से आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने झगड़े को शांत कराते हुए घायलों को इलाज के लिए सीएचसी कड़ा में भर्ती कराया।इस मारपीट में धनीराम पुत्र बनी 82 वर्ष, मान सिंह पुत्र धनीराम 48 वर्ष, राम सिंह पुत्र धनीराम 50 वर्ष, शुभम पुत्र राम सिंह 30 वर्ष व दूसरे पक्ष के बब्लू पुत्र सुरेंद्र 30 वर्ष ,

रसूलपुर में छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

कौशाम्बी। रसूलपुर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को प्रार्थना सभा के पश्चात् ग्रीष्मकालीन शिविर के अन्तर्गत बच्चों को शैक्षिक भ्रमण कराया गया । इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्राचीन व नवीन स्थलों का भ्रमण कर अनेक प्रकार की जानकारियां प्राप्त की। इस दौरान विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यपक मनोज कुंवर सिंह ने बच्चों को सड़क पर चलने के कुछ नियम बताए उसके बाद प्राचीन माता अष्टभुजी का मंदिर, भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र जिसके विषय में सहायक अध

कड़ा धाम में आषाढ़ मेले के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने चढ़ाया पालना

कडा, कौशाम्बी। अषाढ मेले के दुसरे व अंतिम दिन श्रध्दालु भक्तों ने शक्ति पीठ माता शीतला के चरणों में पलना चढा कर मॉ से परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। पुर्वांचल की कुल देबी माता कडेवाशिनी को पालना चढाने के लिये भक्त मिर्जापुर, भदोही, बनारस से मेले के आठ दिन पहले पालना लेकर पैदल कडा धाम के लिये निकलते हैं द्य शीतला सप्तमी व अष्टमी को माता के चरणों में पूरे बिधि बिधान से पूजा पाठ कर मॉ के चरणों में अर्पित करते हैं द्य समोगरा मिर्जापुर से आये चिंता मणि बताते हैं कि पलना चढाने की परंपरा बहुत पुरानी है द्य हमारे पूर्वज पहले हिडोला पालना चढाते थे द्य अब उसी परंपरा को निभाते हैं उन्होंने बताया कि पिछले पच्चीस सालों से वो पालना माता को चढाते है द्य इसी तरह राजा तलाब बनारस से आये राम मूरत यादव का कहना है कि गाँव में सुख समृद्धि के लिये पूरे गाँव में चंदा इकट्ठा करके लकड़ी का पालना बनवाकर पैदल बीस तीस लोगों के समूह में कडा धाम में पालना चढाया जाता है द्य अषाढ अष्टमी को दुसरे दिन माता के पट खुलते ही दर्शनार्थियों की भीड़

जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने राज्य स्तर पर टॉप–10 मेरिट के मेधावी छात्र–छात्राओं को किया सम्मानित

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन, लखनऊ में बेसिक माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा के छात्र–छात्राओं के लिए ड्रेस, जूता, मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग क्रय करने के लिए प्रति छात्र–छात्रा रू0–1200 की धनराशि अभिभावको के बैंक खातें में डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तान्तरित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने बेसिक की छात्र–छात्राओं को पाठ्य–पुस्तक का वितरण, निपुण विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित तथा वर्ष–2024 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र–छात्राओं को रू0–एक लाख का चेक, टैबलेट, मेडल एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया, इसका सजीव प्रसारण उदयन सभागार में आयोजित हाईस्कूलध्इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष–2024 में राज्य स्तरीयध जनपद स्तरीय टॉप–10 सूची में सम्मिलित मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह में किया गया तथा उपस्थित मेधावी छात्र–छात्राओं ने मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना।

अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा हाईस्कूल की परीक्षा में राज्य स्तर पर टॉप–10 मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाली धर्मा देवी इंटर कॉलेज की छात्रा–प्रियांशी मौर्या एवं छात्र श्री शिवम यादव तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा में राज्य स्तर पर टॉप–10 मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले गंगा प्रसाद साहू इं0का0 के छात्र–शुभम, रियाज इं0का0 की छात्रा–सलोनी सिंह एवं धर्मा देवी इं0का0 की छात्रा श्वेता राजपूत को रू0–एक लाख का चेक, टैबलेट, मेडल एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी द्वारा हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद स्तर पर टॉप–10 मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाली धर्मा देवी इं0का0 की छात्रा–नैन्सी यादव, अंजली देवी, रश्मि यादव, साहिबा नूर, वंदना देवी, तान्या सिंह एवं छात्र–सिद्धार्थ सिंह व अनूप मौर्य तथा बिट्ठल भाई पटेल शिक्षा सदन इं0का0 के छात्र–अभिषेक कुमार को रू0–21 हजार का चेक, टैबलेट, मेडल एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इंटरमीडिएट की परीक्षा में जनपद स्तर पर टॉप–10 मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले धर्मा देवी इं0का0 के छात्र–आर्यन पाण्डेय, तेज प्रताप, सचिन कुमार व पुष्पेन्द्र कुमार एवं हूबलाल इं0का0 की छात्रा अंशिका, सुशीला देवी रामसजीवन सिंह इं0का0 की छात्रा खुशबू यादव, छत्रपति साहू जी महाराज इं0का0 की छात्रा प्रियांशी तथा यू0एस0 इं0का0 के छात्र अमन कुमार को रू0–21 हजार का चेक, टैबलेट, मेडल एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत ने मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सबके जीवन में शिक्षा की बहुत अहमियत है। शिक्षा से ही हमें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का पता चलता हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग इसी प्रकार आगे भी मेहनत से पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें एवं अपने परिवार व जनपद का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्र–छात्राओ को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकॉमनायें देते हुए ईश्वर से उज्जवल भविष्य की कॉमना की। जिलाधिकारी ने छात्र–छात्राओं से संवाद करते हुए उनके जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं द्वारा यू0पी0एस0सी0 की तैयारी एवं परीक्षा में फेल होने के बाद तनाव में न आयें, इसके लिए क्या करें के प्रशन पर कहा कि आप लोग स्नातक की पढ़ाई इसी परिश्रम के साथ पूरी करें। इस दौरान आप लोग समाचार–पत्रों को पढें, इससे आपका माइण्ड सेट बना रहेंगा। ऐसी कोई परीक्षा नहीं, जिसे निरन्तर प्रयास एवं परिश्रम से क्रैक न किया जा सकें। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अगर फेल हों जाये तो तनाव नहीं लेना चाहिए, बल्कि निरन्तर परिश्रम करते रहना चाहिए। दृढ़ इच्छा बनायें रखें, पूर्ण समर्पण के साथ तैयारी करें, लक्ष्य जरूर प्राप्त होंगा।जिलाधिकारी ने छात्र–छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप लोग इसी प्रकार आगे भी परिश्रम के साथ पढ़ाई करते रहें, कोई भी परीक्षा असम्भव नहीं हैं। उन्होंने अध्यापको से कहा कि छात्र–छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करतें रहें एवं निरन्तर मोटिवेट भी करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं प्राचार्य डायट भारती त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

वर्षा के दृष्टिगत कहीं भी जल–जमाव न होने पाये– सीडीओ

अभियान के सफल संचालन के लिए द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक सम्पन्न

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान एंव दस्तक अभियान के सफल संचालन के लिए द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियन्त्रण एंव दस्तक अभियान के सफल संचालन के लिए अब तक की गई तैयारियों कार्यवाहियों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान शासन की महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं तथा मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

जिला पंचायतराज अधिकारी को झाड़ियां की कटाई एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई कराने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों से कहा कि नगरीय क्षेत्रों के जिन वार्डों के नालियों की साफ–सफाई अभी तक नहीं हुई है, उनकी साफ–सफाई करा लिया जाय। वर्षा के दृष्टिगत कहीं भी जल–जमाव न होने पाये, जल–जमाव होने से अनेक बीमारियॉ फैलती हैं। उन्हांने प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ बैठक एवं कार्यशाला आयोजित कर विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान से सम्बन्धित विधिवत जानकारी प्रदान किया जाय, जिससे वे अपने कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पादित कर सकें। उन्होंने कहा कि वर्षा के समय सर्प काटने की घटनायें अधिक आती हैं, इस सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किया जाय कि सर्प काटने पर झॉड–फूॅक न कराकर पीड़ित व्यक्ति को अपने नजदीकी अस्पताल में शीघ्र ही लेकर जायें।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।